रविवार, 20 अप्रैल 2025

मौसम

तापमान	36 – 28
आर्द्रता	84%
सूर्योदयः 5:12	सूर्यास्तः 17:58

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

मुख्यमंत्री ममता ने बीजेपी और उसके सहयोगियों की आक्रमकता पर दी कड़ी प्रतिक्रिया –पृष्ठ 3

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, चैत्र कृष्णपक्ष सप्तमी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 4.00 रुपये

सुविचार : याद रखना हर साथ देने वाला अपना नहीं होता।

हिंसा पीड़ितों से मिलने के बाद बोले राज्यपाल बोस

'मुर्शिदाबाद में अभी भी दहशत, कई जगह हुए दंगे'

- राज्यपाल ने हिंसा में मृतकों के परिजनों से भी मुलाकात की

मुर्शिदाबाद : राज्यपाल ने शनिवार को मुर्शिदाबाद में हुए घटनाओं को बेहद शर्मनाक बताते हुए कहा कि राज्य में शांति बहाली और न्याय उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुर्शिदाबाद में लोग अभी भी दहशत में हैं। दंगे कई जगह हुए हैं। राज्यपाल ने आगे कहा कि हिंसा में प्रभावित हुए परिवार बेहद दुख और असुरक्षा के माहौल में हैं। वे न्याय चाहते हैं, लेकिन उससे भी पहले वे शांति चाहते हैं। राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखना और संविधान की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। जो कुछ भी मुर्शिदाबाद में हुआ, वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि बेहद शर्मनाक भी है। इस प्रकार की घटनाएं किसी भी सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकतीं। राज्यपाल बोस ने यह स्पष्ट किया कि नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है और इसके लिए प्रशासन को हर संभव कदम उठाना चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट भी तलब की और कहा कि यदि आवश्यकता हुई, तो वह स्थिति की जानकारी केंद्र सरकार को भी भेजेंगे। राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में मारे गए एक व्यक्ति और उसके बेटे के परिजनों से शनिवार को मुलाकात की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। राज्यपाल बोस ने मृतकों के परिजन से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा कि मैं अनुरोधों पर गौर करूंगा। तीन से चार सुझाव मिले हैं। उन्होंने इलाके में बीएसएफ की तैनाती की मांग की है। मैं इस मामले को उचित अधिकारियों के समक्ष उठाऊंगा। निश्चित रूप से कुछ ठोस कार्रवाई की जाएगी। मैंने उनके साथ 'शांति कक्ष' का नंबर (राजभवन की हेल्पलाइन) भी साझा किया है। मृतकों के गमगीन परिवार के सदस्य राज्यपाल के पैरों में गिरकर न्याय की गुहार लगाते देखे गए। बाद में, धुलियान बाजार इलाके में स्थानीय लोगों से बात करने के बाद बोस ने कहा कि मैंने उनसे (पीड़ितों से) कहा है कि वे मुझसे बेझिझक बात करें। वे न्याय चाहते हैं और उन्हें न्याय मिलेगा। अधिकारी ने बताया कि शमशेरगंज के लिए अपना दौरा शुरू करने से पहले बोस ने फरक्का के अतिथि गृह में प्रभावित परिवारों के कुछ सदस्यों से बात की जहां वह ठहरे हुए थे।

'हम इस तरह नहीं जी सकते', दंगा प्रभावित मुर्शिदाबाद में एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष के सामने रो पड़ीं महिलाएं

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को अपनी अध्यक्ष विजया रहाटकर के नेतृत्व में हिंसा प्रभावित लोगों से मिलने के लिए धुलियान का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल से बातचीत के दौरान कई महिलाएं रो पड़ीं और केंद्रीय बलों की स्थायी तैनाती की गुहार लगाई। एक महिला ने रोते हुए और प्रतिनिधिमंडल के एक सदस्य के पैर छूते हुए कहा कि हम यहां स्थायी बीएसएफ शिविरों के बिना जीवित नहीं रह सकते। यदि आवश्यकता हुई, तो हम उन्हें स्थापित करने के लिए अपनी जमीन और घर देने के लिए तैयार हैं। एनसीडब्ल्यू की टीम ने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी चिंताओं को केंद्रीय गृह मंत्रालय तक पहुंचाया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल के एक सदस्य ने महिलाओं से कहा कि इस संकट की घड़ी में हम आपके साथ खड़े हैं। पूरा देश आपको देख रहा है और आपका समर्थन कर रहा है। हम केंद्र को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगे और इस क्षेत्र में बीएसएफ की स्थायी उपस्थिति की मांग भी शामिल करेंगे।

महिला आयोग की सदस्य ने पीड़ितों की आपबीती पर दुख जताया

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की सदस्य अर्चना मजूमदार ने मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुई हिंसा के पीड़ितों से मिलने के बाद गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि हिंसा में महिलाओं ने अपने पति और बेटों को खोया है। मजूमदार ने पीड़ितों की आपबीती साझा करते हुए कहा कि लोगों को उनके घरों से घसीट कर निकाला गया और उनकी हत्या कर दी गई। उन्होंने इस घटना को भयानक बताते हुए कहा कि उन्होंने पहले कभी पश्चिम बंगाल में ऐसी घटनाएं नहीं देखी थीं और यह अस्वीकार्य है। एनसीडब्ल्यू सदस्य ने राज्य सरकार से इस घटना की जिम्मेदारी लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों और पीड़ितों को न्याय मिले।

सुप्रीम कोर्ट कल मुर्शिदाबाद हिंसा पर करेगा सुनवाई

कोलकाता, समाज्ञा : मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 21 अप्रैल को सुनवाई कर सकता है। इस संवेदनशील मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ करेगी। यह याचिका वकील शशांक शेखर झा ने जनहित याचिका के तहत दायर की है। दायर की गई जनहित याचिका में मुर्शिदाबाद हिंसा की की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी के गठन की मांग की गई है। इसके अलावा, याचिका में राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति में विफलता के लिए पश्चिम बंगाल सरकार से सफाई मांगने की मांग भी की गई है। याचिका में कहा गया है कि प्रशासन के कमजोर रवैये के चलते हिंसा हुई है। उल्लेखनीय है कि मुर्शिदाबाद हिंसा में कुल तीन लोगों की मौत हुई थी, जबकि सैकड़ों की संख्या में लोग राहत शिविरों में रहने के लिए मजबूर हुए। बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाएं राहत शिविर ठहरी हुई हैं।

कानून यदि उच्चतम न्यायालय ही बनाएगा तो संसद भवन बंद कर देना चाहिए: निशिकांत दुबे

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को उच्चतम न्यायालय पर निशाना साधते हुए कहा कि कानून यदि शीर्ष अदालत ही बनाएगी तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए। दुबे ने 'एक्स' पर यह पोस्ट बिना किसी व्याख्या के लिखा है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर शीर्ष अदालत में सुनवाई चल रही है। अधिनियम को इस महीने की शुरूआत में संसद ने पारित किया था। न्यायालय द्वारा इस कानून के कुछ विवादास्पद प्रावधानों पर सवाल उठाए जाने के बाद केंद्र सरकार ने अगली सुनवाई तक उन्हें लागू न करने पर सहमति व्यक्त की है। राष्ट्रपति को भेजे गए विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा हाल में समयसीमा निर्धारित किये जाने पर भी बहस शुरू हो गई है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शीर्ष अदालत के इस निर्णय से असहमति जताई है। वहीं दूसरी ओर, विपक्षी दलों ने शीर्ष अदालत के उक्त निर्देश के साथ-साथ वक्फ (संशोधन) अधिनियम मामले में उच्चतम न्यायालय की कार्यवाही की सराहना की है। भाजपा के लोकसभा सदस्य दुबे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कानून यदि उच्चतम न्यायालय ही बनाएगा तो संसद भवन बंद कर देना चाहिए।''

निशिकांत-दिनेश के न्यायपालिका पर दिए बयान से भाजपा का किनारा

नड्डा बोले- पार्टी का इससे कोई वास्ता नहीं

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा के न्यायपालिका पर दिए गए बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में गर्माहट बढ़ गई है। अब भारतीय जनता पार्टी ने उनके बयान से किनारा कर लिया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनके बयान को लेकर कहा है कि भारतीय जनता पार्टी ऐसे किसी बयान का समर्थन नहीं करती है। उन्होंने कहा कि मैंने दोनों सांसदों को ऐसा कोई भी बयान न देने का निर्देश दिया है। ये उनका निजी बयान है, पार्टी का इससे कोई लेना-देना नहीं है। भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा सुप्रीम कोर्ट का सम्मान किया है।

एलन मस्क इस वर्ष के अंत में भारत आने के लिए उत्सुक

वाशिंगटन/न्यूयॉर्क : टेस्ला और स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि वह इस वर्ष के अंत में भारत आने को लेकर उत्सुक हैं। मस्क की यह टिप्पणी उनके और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बातचीत के एक दिन बाद आई है। उन्होंने प्रौद्योगिकी और नवाचार में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की थी। मस्क ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी से बात करना सम्मान की बात रही। मैं इस वर्ष के अंत में भारत आने के लिए उत्सुक हूं!'' मस्क को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों में से एक माना जाता है और वह सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) का नेतृत्व कर रहे हैं जिसका उद्देश्य सरकारी व्यय में कटौती करना और संघीय कार्यबल को कम करना है। शुक्रवार को बातचीत के बाद मोदी ने 'एक्स' पर कहा, ''एलन मस्क से बातचीत की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन में हमारी बैठक के दौरान शामिल विषय भी सम्मलित थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले सप्ताह दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे सऊदी अरब

नयी दिल्ली : अगले सप्ताह दो दिन के लिए सऊदी अरब जा रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस यात्रा के दौरान दोनों पक्ष ऊर्जा, रक्षा और व्यापार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाते नजर आने वाले हैं तथा भारत के लिए रियाद की 100 अरब डॉलर की निवेश योजना में तेजी भी आने वाली है। मोदी संपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने तथा पश्चिम एशिया की संपूर्ण स्थिति समेत क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विचारों के आदान-प्रदान करने के वास्ते सऊदी अरब के शहजादे मोहम्मद बिन सलमान के साथ व्यापक चर्चा करने के लिए दो दिन के लिए मंगलवार को वहां जा रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन के खिलाफ आज अमेरिका में सबसे बड़ा प्रदर्शन

- जुटेंगे 1 करोड़ लोग, 50 राज्यों में रैलियां

वाशिंगटन : अमेरिका में शनिवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों की दूसरी बड़ी लहर देखने को मिलेगी। इस बार पचास राज्यों में करीब 400 रैलियां होने वाली हैं। इन रैलियां का आयोजन कार्यकर्ता समूह '50501' कर रहा है। इस नाम का मतलब है- 50 राज्यों में एकजुट होकर 50 विरोध प्रदर्शन। 'गार्जियन' की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप के 20 जनवरी को राष्ट्रपति बनने के बाद यह चौथा बड़ा प्रदर्शन होगा। इससे पहले 17 फरवरी को 'नो किंग्स डे' नाम की रैलियां आयोजित की गई थीं। यह रैलियां तब शुरू की गई थीं, जब ट्रंप ने खुद को सोशल मीडिया पर 'राजा' कह दिया था। पांच अप्रैल को 'हैंड्स ऑफ' आंदोलन के तहत देशभर में 1,200 प्रदर्शन हुए थे। अब आयोजकों की कोशिश है कि इस बार 1.1 करोड़ लोग (यानी अमेरिका की लगभग 3.5% आबादी) प्रदर्शन में शामिल हों।

भारत का पहला प्रोटोटाइप फास्ट-ब्रीडर रिएक्टर सितंबर 2026 तक हो जाएगा तैयार

नयी दिल्ली : तमिलनाडु के कलपक्कम में देश के पहले प्रोटोटाइप फास्ट-ब्रीडर रिएक्टर के अगले साल सितंबर तक तैयार हो जाने की उम्मीद है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) का चालू होना भारत के तीन-चरण वाले परमाणु कार्यक्रम के दूसरे चरण को आगे बढ़ाएगा, जिसका उद्देश्य रेडियोधर्मी कचरे को कम करने के लिए ईंधन का पुनर्चक्रण करना है। कलपक्कम में विकसित किया जा रहा पीएफबीआर अपनी तरह का पहला परमाणु रिएक्टर है जो ईंधन के रूप में प्लूटोनियम-आधारित मिश्रित ऑक्साइड एवं शीतलक के रूप में तरल सोडियम का उपयोग करता है। देश में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का संचालन सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड द्वारा किया जाता है, जबकि कलपक्कम में पीएफबीआर का विकास भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम (भाविनी) द्वारा किया जा रहा है। परमाणु ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने हाल ही में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर संसद की स्थायी समिति को बताया था कि भाविनी का 500 मेगावाट का पीएफबीआर एकीकृत संचालन शुरू किये जाने के अंतिम चरण में पहुंच गया है।

कांग्रेस देश भर में करेगी 'संविधान बचाओ रैली'

नयी दिल्ली : कांग्रेस ने अगले सप्ताह से राष्ट्रव्यापी स्तर पर 'संविधान बचाओ रैली' आयोजित करेगी जिसमें सामाजिक न्याय, आर्थिक न्याय और जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दों का उठाया जाएगा। पार्टी के महासचिवों, प्रभारियों और अग्रिम संगठनों के प्रमुखों की बैठक में यह फैसला किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस बैठक का नेतृत्व किया। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संवाददाताओं से कहा कि इस बैठक में अहमदाबाद में पारित प्रस्ताव ''न्याय पथ: संकल्प, समर्पण, संघर्ष'' पर चर्चा हुई।

जेईई (मेन) दूसरा सत्र: 24 परीक्षार्थियों ने 100 एनटीए 'स्कोर' हासिल किया

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा शनिवार को घोषित इंजीनियरिंग की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई-मेन) के परिणाम में 24 परीक्षार्थियों ने 100 'स्कोर' हासिल किया। परीक्षा में शीर्ष स्थान पर रहने वालों में राजस्थान के सात परीक्षार्थी, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र के तीन-तीन, दिल्ली, पश्चिम बंगाल और गुजरात के दो-दो और कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश का एक-एक परीक्षार्थी है। इनमें से दो छात्राएं हैं। शीर्ष स्थान पाने वालों में 21 परीक्षार्थी सामान्य श्रेणी और एक-एक परीक्षार्थी अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी से है। इस अहम परीक्षा के दूसरे सत्र में 9.92 लाख से अधिक परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी। पहले सत्र में 10.61 लाख परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के अधिकारियों के अनुसार, एनटीए 'स्कोर' अंकों के प्रतिशत के समान नहीं, बल्कि सामान्यीकृत 'स्कोर' है। उन्होंने बताया कि एनटीए 'स्कोर' बहु-सत्रीय परीक्षा में सामान्यीकृत 'स्कोर' होता है और एक सत्र में परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले सभी परीक्षार्थियों के सापेक्ष प्रदर्शन पर आधारित होता है। अधिकारियों के अनुसार, प्रत्येक परीक्षार्थी के लिए प्राप्त 'स्कोर' को 100 से 0 तक के पैमाने पर परिवर्तित किया जाता है। जेईई (मेन) पेपर-एक और पेपर-दो के परिणामों के आधार पर जेईई (एडवांस्ड) परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों को छांटा जाएगा। सफल परीक्षार्थियों को 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में प्रवेश मिलता है।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में इमारत ढहने से 11 लोगों की मौत, 11 घायल

नयी दिल्ली : उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शक्ति विहार इलाके में शनिवार तड़के एक बहुमंजिला आवासीय इमारत के ढहने से 11 लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), अग्निशमन सेवा, दिल्ली पुलिस और अन्य बचावकर्मियों की टीम ने राष्ट्रीय राजधानी के मुस्तफाबाद इलाके में तड़के करीब तीन बजे 20 साल पुरानी चार मंजिला इमारत के ढहने के बाद घटनास्थल पर 12 घंटे से अधिक समय तक बचाव कार्य चलाया। पुलिस के अनुसार, इमारत में 22 लोग थे, जिनमें से ज़्यादातर कुछ परिवारों के सदस्य थे। इमारत के मालिक तहसीन और उनके परिवार के छह सदस्य इमारत ढहने से मरने वाले 11 लोगों में शामिल हैं। पुलिस सूत्रों ने कहा कि हो सकता है कि भूतल पर ''दो-तीन दुकानों'' में हो रहे निर्माण कार्य के कारण इमारत ढह गई हो। स्थानीय लोगों ने भी कहा कि नयी दुकान पर निर्माण कार्य के कारण यह इमारत ढह गई होगी। उन्होंने चार से पांच अन्य इमारतों की गंभीर स्थिति पर भी चिंता जताई। इलाके के निवासी सलीम अली ने कहा, ''सीवर का गंदा पानी वर्षों से इमारतों की दीवारों में रिस रहा है। समय के साथ नमी के कारण ढांचे कमजोर होने से दीवारों में दरारें आ गई हैं।'' दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने एक बयान में कहा कि यह इमारत लगभग 20 साल पुरानी थी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इमारत ढहने की घटना की जांच के आदेश दिए हैं और घटना पर दुख जताया है। आसपास की इमारतों में रहने वाले निवासियों ने भी झटके महसूस किए और कहा कि यह भूकंप जैसा था तथा नीचे की मंजिल हिल रही थी। ढह चुकी इमारत के बगल में रहने वाले शिव विहार निवासी रायन ने कहा, ऐसा लगा जैसे हमारे घर से कुछ टकराया हो लेकिन जब हमने बाहर देखा तो पास की पूरी इमारत मलबे में तब्दील हो चुकी थी।''

आज का पंचांग

कोलकाता : 20 अप्रैल, रविवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, चैत्र कृष्णपक्ष सप्तमी, 18:56 तक, नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा, 11:37 तक, योग : सिद्ध, 24:02 तक, सूर्योदय: 5:12, सूर्यास्त: 17:58, चन्द्रोदय : 24:28, चन्द्रास्त: 10:24, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, अमान्त महीना, सूर्य राशि : मीन, चन्द्र राशि : कन्या, राहू काल : 16:20 से 17:55

साप्ताहिक : राशिफल 20-04-25 से 26-04-25

मेष : चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ : मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए। यह पूरा सप्ताह स्वजनों के साथ मौज-मस्ती करते हुए हंसीखुशी बीतेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। वरिष्ठ और अधीनस्थ लोगों को पूरा साथ और समर्थन बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर विशेष लाभ की प्राप्ति के योग बनेंगे। आपके कामकाज की सराहना होगी। कामकाजी महिलाओं की पदोन्नति से उनका ऑफिस और घर दोनों जगह मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृष : ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो : वृषभ राशि के जातकों के लिए यह हफ्ता काफी उतार-चढ़ाव से भरा रह सकता है। यह स्थिति करियर-कारोबार से लेकर रिश्ते-नातों में भी देखने को मिल सकती है। ऐसे में वृषभ राशि के जातकों को लोगों के साथ सावधानी के साथ बात व्यवहार करने की आवश्यकता रहेगी। छोटी-मोटी बातों को तूल देने से बचें। सप्ताह की शुरुआत में आपको किसी भी कार्य को बेहद सावधानी और सूझबूझ के साथ करने की आवश्यकता रहेगी। इस दौरान आपको अपनी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में निर्णय लेने का प्रयास करें।

मिथुन : का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह : मिथुन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह करियर-कारोबार और आर्थिक दृष्टि से अत्यधिक शुभ रहने वाला है। इस सप्ताह आपके सभी सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे और आपको उसमें मनचाही सफलता और लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह की शुरुआत में लंबे समय से रुके हुए कार्य के पूरे होने का शुभ समाचार मिल सकता है। इस पूरे सप्ताह आपको मित्रों और स्वजनों का सहयोग और समर्थन मिलता रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में मिलजुलकर काम करने पर लाभ होगा।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो : कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सामान्य फलदायी है। इस सप्ताह तमाम तरह की चीजों में हाथ आजमाने की कोशिश कर सकते हैं। सप्ताह के पूर्वार्ध में व्यावसायिक डील करने पर आपको लाभ की प्राप्ति हो सकती है, लेकिन इसके साथ आप तमाम चीजों पर खुले हाथ से खर्च भी करेंगे। सप्ताह की शुरुआत में सुख-सुविधा से जुड़ी किसी महंगी चीज का क्रय कर सकते हैं। घर की साज-सज्जा और मरम्मत आदि पर भी खर्च संभव है।

सिंह : मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे : सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन में बड़े अवसर लेकर आ सकता है लेकिन उसे भुनाने के लिए आपको पूरे मनोयोग से परिश्रम और प्रयास करना होगा। सप्ताह की शुरुआत में आपको कामकाज के सिलसिले में अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। इस दौरान आप पर घर और कार्यक्षेत्र से जुड़ी बड़ी जिम्मेदारियां आ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं बनेंगी। नौकरीपेशा लोगों को नये अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

कन्या : ढो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो : कन्या राशि के जातकों को इस सप्ताह किस्मत का पूरा साथ मिलता हुआ नजर आएगा। आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता और लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह की शुरुआत में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा संभव है। करियर अथवा कारोबार के सिलसिले में की गई यह यात्रा उम्मीद से कहीं ज्यादा सुखद और लाभप्रद साबित होगी। इस दौरान कार्यक्षेत्र में कोई लाभकारी योजना बनेगी और आप अपने प्रत्येक कार्य को पूरे मनोयोग के साथ करेंगे।

तुला : रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते : तुला राशि के जातकों को इस सप्ताह किसी के प्रति कोई धारणा बनाने से बचना चाहिए। सप्ताह की शुरुआत में आपको बहुत सोच-समझकर कोई बड़ा कदम उठाने की आवश्यकता रहेगी। इस दौरान असमंजस की स्थिति में कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने से बचें। यह समय भूमि-भवन से जुड़े मामलों के लिए उचित नहीं कहा जाएगा। इस दौरान नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यक्षेत्र में विरोधियों से भी खूब सावधान रहने की आवश्यकता बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में अपने कार्य को समय पर बेहतर तरीके से पूरा करने का प्रयास करें अन्यथा आप अपने सीनियर के गुस्से का शिकार हो सकते हैं।

वृश्चिक : तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू : वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायी है। इस सप्ताह आपको अपनी सेहत और संबंध दोनों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। लोगों के साथ बात-व्यवहार करते समय इस बात का पूरा ख्याल रखें कि गलतफहमियां न पैदा होने पाएं। यदि आप किसी की जरूरत पड़ने पर मदद न कर पाएं तो विनम्रता के साथ मना कर दें लेकिन किसी को झूठा आश्वासन देने अथवा उपेक्षा करने से बचें अन्यथा लंबे समय से बने संबंधों में दरार आ सकती है। प्रोफेशनल कार्यों को करने वाले के लिए सप्ताह के पूर्वार्ध का समय थोड़ा चुनौती भरा रह सकता है।

धनु : ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे : धनु राशि के जातक इस सप्ताह अपने कामकाज को लेकर भ्रम की स्थिति में रह सकते हैं। इस सप्ताह स्वजनों का समय पर साथ न मिल पाने के कारण आपका मन हताश रहेगा। कामकाज को लेकर अनिश्चित की स्थिति बनी रह सकती है। भूमि-भवन से जुड़े विवाद गहरा सकते हैं। पैतृक संपत्ति की प्राप्ति को लेकर परिजनों के साथ तनाव बना रहेगा। इस सप्ताह आपको सरकारी और अन्य प्रकार के कागजी कार्य करते समय खूब सावधानी बरतने की आवश्यकता रहेगी।

मकर : भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी : मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह आपको सोचे हुए कार्यों में मनमुताबिक सफलता पाने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना होगा। मकर राशि के जातकों को इस सप्ताह अपनी परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने की आवश्यकता है। यदि आप बगैर विचार किए कोई कदम आगे बढ़ाते हैं या फिर किसी जोखिम भरी योजना में निवेश करते हैं तो इसमें आपको बड़ा नुकसान होने अथवा इसमें दिक्कतें आने की आशंका बनी रहेगी।

कुंभ : गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा : कुंभ राशि के जातकों को इस सप्ताह किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। सप्ताह की शुरुआत से ही आपको जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सुखद परिणाम मिलते हुए नजर आएंगें करियर-कारोबार में अनुकूलता बनी रहेगी। नौकरीपेशा लोगों के कद और पद में वृद्धि संभव है। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों को सराहा जाएगा। सप्ताह की शुरुआत में आपको लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी।

मीन : दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची : मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सामान्य फलदायी रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से जीवन से जुड़ी किसी बड़ी समस्या का समाधान खोजने में आप कामयाब हो सकते हैं। इस सप्ताह आपको घर और बाहर दोनों जगह स्वजनों और शुभचिंतकों का सहयोग और समर्थन मिलता हुआ नजर आएगा। करियर-कारोबार की दृष्टि से सप्ताह की शुरुआत आपके लिए थोड़ी धीमी प्रगति लिए रह सकती है लेकिन उत्तरार्ध तक सभी चीजें पटरी पर आ जाएंगी।

परिवार तक सिमटी 'ताकतें' समाज को बांटने के लिए दंगा कराती थीं : योगी आदित्यनाथ

बाबासाहेब के मूल्यों-आदर्शों को आत्मसात करने वाला एकमात्र दल भाजपा है : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर (उप्र): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि बाबासाहेब डॉ भीमराव आंबेडकर के नाम पर लोकलुभावन नारे-भाषण देने वाले अनेक आएंगे, लेकिन उनके मूल्यों-आदर्शों को आत्मसात करने वाला एकमात्र दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है। मुख्यमंत्री योगी शनिवार को यहां गोरखपुर क्लब में आंबेडकर सम्मान अभियान के तहत आयोजित एक विचार गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विपक्षी दलों कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि सपा और कांग्रेस जातीय संघर्ष कराना चाहती हैं। योगी ने अपील करते हुए कहा कि समाज को जातीय आधार पर बटने नहीं देना है, बल्कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत के अभियान के साथ जोड़ना है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बाबासाहेब ने सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए पूरे देश को सम्मान दिलाया और बाबासाहेब के कारण ही बिना भेदभाव हर व्यक्ति को समान मताधिकार के उपयोग की स्वतंत्रता प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि देश को एकता के सूत्र में बांधने का श्रेय बाबासाहेब को ही जाता है।

गोरखपुर : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि परिवार तक सिमटी ''ताकतें'' समाज को बांटने के लिए दंगा कराती थीं। मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को करीब 1500 करोड़ रुपये लागत की रोड कनेक्टिविटी, सीवरेज, चिकित्सा, पर्यटन सहित कई क्षेत्रों से जुड़ी 146 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर मानबेला मैदान में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, '2017 के पहले समाज को जाति, मत, मजहब के नाम पर बांटने वाली ताकतों ने उत्तर प्रदेश का विकास करने की बजाय खुद का और परिवार का विकास किया।' उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि ''परिवार तक सिमटी ये ताकतें समाज को बांटने के लिए दंगा कराती थीं।'' योगी ने विकास और कानून व्यवस्था में सुधार के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केन्द्र और राज्य की सरकारों को श्रेय देते हुए कहा कि 'डबल इंजन' सरकार आने के बाद उत्तर प्रदेश आठ साल से माफियामुक्त, गुंडामुक्त और दंगामुक्त हो चुका है तथा प्रदेश की चर्चा अब सिर्फ विकास के लिए होती है। उन्होंने कहा, 'विकास का कोई विकल्प नहीं होता है। जो विकास नहीं करा पाते, वे जाति, मत, भाषा, क्षेत्र, मजहब के नाम पर सामाजिक तानेबाने को छिन्न भिन्न कर समाज के सौहार्द को बिगाड़ने का काम करते हैं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि मौका मिलने पर ऐसे लोग जनता की भलाई के बजाय स्वयं और अपने परिवार के विकास के लिए कार्य करते हैं। उन्होंने दावा किया, 'पूर्ववर्ती सरकारों में पूर्वी उत्तर प्रदेश में मुसहर भुखमरी से मरते थे तो बुंदेलखंड में किसान आत्महत्या को मजबूर होते थे। परिस्थितियों में परिवर्तन करने की बजाय तब की सरकारों ने समाज को जाति, क्षेत्र, मजहब के नाम पर बांटने और दंगा कराने का काम किया। दंगा कराने के बाद दोनों समुदायों से अलग अलग मिलकर उनका हितैषी बनने का दिखावा किया।'

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में 300 लोगों की समस्याएं सुनीं, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां जनता दर्शन में पुलिस तथा राजस्व विभाग से जुड़े मामलों के समाधान में अनावश्यक देरी न करने की हिदायत दी और जमीन कब्जे की शिकायतों को गंभीरता से लेकर दबंग और भू माफिया पर नकेल कसने के निर्देश दिए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में करीब 300 लोगों की समस्याएं सुनीं और इन समस्याओं के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतोषजनक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने पुलिस व राजस्व से जुड़े मामलों के समाधान में अनावश्यक देरी न होने की हिदायत दी और जमीन कब्जे की शिकायतों को गंभीरता से लेकर दबंग और भू माफिया पर नकेल कसने के निर्देश दिए।

नीतीश ने बिहार में भ्रष्टाचार को संस्थागत बना दिया: राजद

पटना : बिहार में विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर राज्य में भ्रष्टाचार को संस्थागत बना देने और साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव प्रचार अभियान के लिए सरकारी धन का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। राजद ने यह भी आरोप लगाया कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार राज्य में वित्तीय अराजकता के लिए जिम्मेदार है। हालांकि, सत्तारूढ़ पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) ने आरोपों को 'निराधार' करार दिया है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'नीतीश कुमार बिहार में भ्रष्टाचार को संस्थागत बना देने के लिए जिम्मेदार हैं...मुख्यमंत्री

अपनी पार्टी के प्रचार अभियान के लिए राज्य सरकार के धन का इस्तेमाल कर रहे हैं।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कल्याणकारी उपायों के बारे में महिलाओं से जुड़ने और उन्हें जागरूक करने के लिए हाल में शुरू की गई 'महिला संवाद' पहल, 'सरकारी धन का उपयोग कर'' जद(यू) के चुनाव प्रचार अभियान का हिस्सा है। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''मंत्रिमंडल ने इसके लिए 225 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। राज्य सरकार अपने प्रचार के लिए जनता के पैसे का इस्तेमाल कर रही है...राज्य की महिलाओं के लिए जमीनी स्तर पर कुछ भी ठोस काम नहीं हुआ है, लेकिन प्रचार के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं।' पूर्व उपमुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों के लिए 'वैश्विक निविदाओं' को लेकर भी राज्य सरकार पर निशाना साधा। राजद नेता ने कहा, 'मंत्रिमंडल ने दिसंबर 2024 से राज्य में निर्माण गतिविधियों के लिए 76,622 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी।

बिहारः अररिया जेल में विचाराधीन कैदी मृत मिला, परिवार ने यातना देने का आरोप लगाया

अररिया : बिहार के अररिया जिला कारागार में 46 वर्षीय एक विचाराधीन कैदी रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाया गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। वहीं, जेल अधिकारियों ने दावा किया कि सोहराब खान ने जेल परिसर के भीतर शौचालय में आत्महत्या कर ली। हालांकि, उसके परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि उसे जेल अधिकारियों द्वारा हिरासत में यातना दी गई थी। जेल अधीक्षक सुजीत कुमार झा ने कहा, ''खान को बृहस्पतिवार को पलासी पुलिस जेल लाई थी। उसने बेचैनी महसूस होने की जेल अधिकारियों से शिकायत की और उसे तुरंत जेल क्लिनिक में भर्ती कराया गया। बाद में, अधिकारियों की जानकारी के बिना, वह शौचालय में चला गया और आत्महत्या कर ली। खान को शुक्रवार को निकटतम सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।'' बाद में, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) राम कुमार सिंह ने सरकारी अस्पताल का दौरा किया और कहा, ''शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चलेगा। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। उसकी मौत जेल के अंदर हुई।'' हालांकि, मृतक के परिवार के सदस्यों ने आधिकारिक बयान से असहमति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि खान की मौत जेल कर्मियों द्वारा प्रताड़ित किए जाने के कारण हुई और उन्होंने उसकी मौत की परिस्थितियों की गहन जांच की मांग की।

मुर्शिदाबाद हिंसा के विरोध में झारखंड में विहिप का प्रदर्शन

रांची : विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ताओं ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के विरोध में झारखंड के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन किया। राज्य की राजधानी रांची में विहिप के सदस्यों ने कुछ सामाजिक-धार्मिक संगठनों के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर राजभवन के निकट विरोध प्रदर्शन किया। बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने पड़ोसी राज्य (पश्चिम बंगाल) में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। विहिप के नगर अध्यक्ष कैलाश केशरी ने कहा कि उन्होंने रांची के उपायुक्त कार्यालय के माध्यम से राष्ट्रपति को एक ज्ञापन भेजा है। उन्होंने दावा किया, 'पश्चिम बंगाल की समस्याओं का एकमात्र समाधान राष्ट्रपति शासन है।'

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जयपुर में ईडी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया

जयपुर : नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किए जाने के विरोध में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।कांग्रेस कार्यकर्ताओं के इस प्रदर्शन के मद्देनजर ईडी कार्यालय के बाहर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्योति नगर से ईडी कार्यालय की ओर मार्च किया, जहां उनकी पुलिस से झड़प हुई। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए अवरोधक पार करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया।

भाजपा सरकार प्रभुत्ववादियों और सामंतवादियों को संरक्षण दे रही : अखिलेश यादव

लखनऊ : समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को आरोप लगाया कि भाजपा सरकार प्रभुत्ववादियों और सामंतवादियों को संरक्षण दे रही है। अखिलेश यादव ने शनिवार को आगरा पहुंचकर समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन और उनके परिजनों से मुलाकात की। उसके बाद पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए यादव ने दावा किया, 'सुमन जी के घर पर हमला अचानक नहीं षड्यंत्र के तहत हुआ है।' सपा मुख्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, प्रभुत्ववादी और सामंतवादी लोग दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों पर हमले कर रहे हैं।

भारतीय वायुसेना की टीम ने रांची में शानदार 'एयर शो' से मंत्रमुग्ध किया

रांची : भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित 'सूर्य किरण एरोबैटिक टीम' (एसकेएटी) ने शनिवार सुबह 'नामकुम आर्मी ग्राउंड' में शानदार 'एयर शो' से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह समेत वरिष्ठ रक्षा एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। इस कार्यक्रम को दो चरणों में विभाजित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम के एक चरण में छह विमानों ने करीबी संरचना में उड़ान भरी जबकि दूसरे चरण में इन विमानों ने जमीन से मात्र 100 फुट की ऊंचाई पर करतब दिखाए। एक अधिकारी ने कहा, ''इस 'एयर शो' का आयोजन केवल करतब दिखाने के लिए नहीं किया गया बल्कि इस दौरान वायुसेना के जुनून, अनुशासन और उसकी भावना को दर्शाया गया।' रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने हालांकि बताया कि नौ विमानों में से तीन विमान शुक्रवार को रांची में बारिश और ओलावृष्टि के कारण आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए थे। उन्होंने कहा कि रांची में पहली बार विमानों ने इतनी कम ऊंचाई पर करतब दिखाए। अधिकारी ने बताया कि 1996 में गठित एसकेएटी ने भारत और श्रीलंका, म्यांमा, चीन, सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात सहित दुनिया भर में 500 से अधिक ऐसे शो किए हैं।

होली और जुमा से जुड़े बयान को लेकर संभल के पुलिस क्षेत्राधिकारी को क्लीन चिट मिली

लखनऊ : होली और जुमा (शुक्रवार) से जुड़े विवादित बयान को लेकर संभल के पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुज चौधरी को पुलिस ने क्लीन चिट दे दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। संभल पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुज चौधरी को (होली और जुमा से जुड़े बयान के लिए) क्लीन चिट दे दी गई है।' अधिकारी ने इस बारे में और कुछ बताने से इनकार कर दिया। इस साल मार्च में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी अमिताभ ठाकुर की शिकायत के बाद चौधरी के बयान को लेकर जांच की जा रही है। होली से पहले चौधरी ने शांति समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा था, ''होली साल में एक बार आने वाला त्योहार है, जबकि जुमे की नमाज साल में 52 बार होती है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री शर्मा सोमवार को यमुना जल को लेकर समीक्षा बैठक करेंगे

जयपुर : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 21 अप्रैल को पिलानी में यमुना जल की प्रगति की समीक्षा के लिए बैठक करेंगे, जिसमें हरियाणा सरकार के उच्च अधिकारी भी शामिल होंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार हरियाणा और राजस्थान के संयुक्त कार्यबल की दूसरी संयुक्त बैठक से पहले यह बैठक रखी गई है। कार्यबल की बैठक 25 अप्रैल को हिसार में होनी है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1994 में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं नयी दिल्ली के बीच हुए यमुना जल समझौते के तहत ताजेवाला हैड (हथिनी कुंड बैराज) पर मानसून अवधि (जुलाई से अक्टूबर) में 1917 क्यूसेक (वार्षिक 577 एम.सी.एम.) जल राजस्थान को आवंटित किया गया था लेकिन राजस्थान को जल आवंटित किए जाने को लेकर 30 वर्षों से गतिरोध बना हुआ था। सीकर, झुंझुनू एंव चुरू जिलों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करने की दिशा में मुख्यमंत्री शर्मा के प्रयासों, केन्द्र सरकार के सकारात्मक सहयोग व केन्द्रीय जल आयोग के हस्तक्षेप के फलस्वरूप यह गतिरोध दूर हुआ और 17 फरवरी, 2024 को राजस्थान, हरियाणा के मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री की उपस्थिति में समझौता हुआ। समझौते के तहत प्रथम चरण में ताजेवाला हैड (हथिनीकुण्ड बैराज) से पेयजल हेतु जल को राजस्थान लाने के लिए प्रवाह प्रणाली

की संयुक्त रूप से रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने पर सहमति बनी। इस समझौते की क्रियान्विति की दिशा में डीपीआर तैयार करने के लिए राजस्थान एवं हरियाणा सरकार द्वारा कार्यबल का गठन किया गया।

पंजाब में दो आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 13 गिरफ्तार, 2 आरपीजी, आईईडी, ग्रेनेड और आरडीएक्स बरामद

चंडीगढ़ : पंजाब पुलिस ने शनिवार को आईएसआई समर्थित दो खालिस्तानी आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर 13 लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया। इस कार्रवाई में पुलिस ने दो रॉकेट चालित ग्रेनेड, दो हथगोले, आईईडी और आरडीएक्स के साथ-साथ अन्य हथियार जब्त किए हैं। पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि इन दोनों मॉड्यूल

का संचालन विदेश से किया जा रहा था । यादव ने बताया कि पहले आतंकी मॉड्यूल का संचालन फ्रांस स्थित सतनाम सिंह उर्फ सत्ता कर रहा था, जबकि दूसरे मॉड्यूल का संचालन यूनान स्थित जसविंदर उर्फ मन्नू अगवान द्वारा किया जा रहा था। यादव ने कहा कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) समर्थित इन दोनों मॉड्यूल को प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) द्वारा विदेश से संचालित किया जा रहा था। यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह पंजाब में शांति और स्थिरता को निशाना बनाने वाले अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका है।

वर्ग पहेली नं. 3061

1	■	2	3	■	4			5	
	■	6		7		■	■		■
8	9		■	10		11	12		■
13		■	14		■	15		■	16
■	17			■	18			19	
20			21			■	22		
	■	23	■	■	24	25			■
26	27			28	■		■	29	30
31			■	32			■	33	

बायें से दायें:- 2) हुक्म, 4) अकड़; हुकूमत, 6) एक नदी, 8) कर्णबधिर, 10) मुफ़्तख़ोर, 13) पैर, 14) पार्वती, 15) साहस ; मन; हृदय; इच्छा, 17) अत्यधिक, 18) लकड़ी चीरने का औज़ार, 19) परत, 20) त्वचा, 21) उद्दंड; घमंडी, 22) टीका, 24) स्वार्थ, 26) आवभगत, 29) गीत, 31) ज़िंदगी; जीवन, 32) राष्ट्रध्वज, 33) कंठस्थ.

ऊपर से नीचे:- 1) विरोध, 2) सहारा, 3) विदित, 4) एक अनाज, 5) दस सौ, 7) असमतल; मन की तरंग के अनुसार काम करनेवाला; लहराता, 9) कमज़ोर; निर्बल, 11) मद्य, 12) आवरण; गिलाफ़; केंचुल, 14) तथागत भगवान बुद्ध, 16) आकर्षक, 18) विश्रांती, 19) चाहनेवाला, 20) अनावश्यक एवं व्यर्थ का, 22) एक तिलहन अनाज, 23) एक देश, 25) पदक, 27) पत्नी, 28) तरीक़ा; परिपाटी; ढंग; रस्म रिवाज; 30) बौना.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

च	क्की	■	सि	तं	ब	र	■	प	शु
श्म	■	ग	या	■	द	■	लो	ह	■
दी	ग	र	■	अ	च	ला	■	ले	खा
द	■	बा	हु	■	ल	ड़	की	■	खा
■	अ	■	न	वी	न	■	च	टो	रा
■	द	रा	र	■	■	स	क	ल	■
सू	र	■	■	च	ट्टा	न	■	■	क
च	क	ना	चू	र	■	का	ना	फू	सी
ना	■	टी	■	बी	न	ना	■	■	दा

Mob. No. 08329510310

केंद्र ने मनरेगा मजदूरों को भुगतान के लिए बिहार को 2,102.24 करोड़ रुपये जारी करने को मंजूरी दी

पटना : केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत धनराशि की पहली किस्त के भुगतान के लिए बिहार को 2,102.24 करोड़ रुपये जारी करने की शनिवार को मंजूरी दी। बिहार के मनरेगा मजदूरों को मजदूरी देने के लिए इस राशि का उपयोग किया जाएगा। नयी दिल्ली में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने इस आशय का एक पत्र जारी किया। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार दौरे पर आने के महज पांच दिन पहले इसे मंजूरी दी गई है। राजग सरकार मनरेगा मजदूरों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मनरेगा मजदूरों की मजदूरी का भुगतान करने के लिए केंद्र ने पहली किस्त के रूप में 2,102.24 करोड़ रुपये जारी करने को मंजूरी दे दी है। हम इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हैं।

बिहार : पूर्व विधायक मुजाहिद आलम ने वक्फ अधिनियम के मुद्दे पर जदयू से दिया इस्तीफा

पटना : बिहार के पूर्व विधायक मुजाहिद आलम ने वक्फ संशोधन अधिनियम पर जनता दल (यूनाइटेड) के रुख को लेकर निराशा जताते हुए शनिवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। वर्ष 2024 में किशनगंज लोकसभा सीट से जद (यू) के उम्मीदवार रहे आलम ने कहा कि उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेताओं को संशोधन का समर्थन नहीं करने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे। उन्होंने कहा, वक्फ संशोधन अधिनियम पर जद(यू) के रुख से हम सभी बहुत निराश हैं। यह अधिनियम मुसलमानों के खिलाफ है और इसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करना है। उन्होंने कहा, ''हमने पार्टी के शीर्ष नेताओं को समझाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने विधेयक का समर्थन किया। यही कारण है कि मैंने अपने समर्थकों के साथ पार्टी छोड़ने का फैसला किया। आज हमने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। जद (यू) के वरिष्ठ नेता नीरज कुमार ने कहा कि वह (आलम) पार्टी छोड़ने का फैसला लेने के लिए स्वतंत्र हैं। कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''पार्टी ने आलम को बहुत कुछ दिया है। अब पार्टी छोड़ने का फैसला उनका है। वह यह फैसला लेने के लिए स्वतंत्र हैं।

बलिया में घर में घुसकर युवती से दुष्कर्म, आरोपी युवक गिरफ्तार

बलिया : बलिया जिले के नगरा थाना क्षेत्र में एक युवक ने युवती के घर में घुसकर कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी युवक को शनिवार को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, नगरा थाना क्षेत्र के नगरा कस्बे के रियाज (20) ने गत 16 अप्रैल को रात्रि में थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती के घर में घुसकर उससे बलात्कार किया। इस मामले में पीड़िता की मां की तहरीर पर रियाज के विरुद्ध बलात्कार के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया।

राज्यपाल के मालदह दौरे के दौरान वैष्णवनगर में 17 देशी बम बरामद

मालदह : राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस के मालदह दौरे के दौरान वैष्णवनगर में बम मिलने की घटना से हड़कंप मच गया। बताया गया है कि शुक्रवार की दोपहर भगवानपुर ग्राम पंचायत के जलराही सीसा क्षेत्र में स्थानीय लोगों को गन्ने के खेत में एक संदिग्ध प्लास्टिक का थैला पड़ा मिला। पुलिस को तुरंत सूचित किया गया। जब पुलिस वहां पहुंची तो उन्होंने बोरी से 17 देशी बम बरामद किए। पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया। जैसे ही बम बरामद होने की खबर फैली, इलाके में

व्यापक उत्साह फैल गया। बम निरोधक दस्ता शनिवार की सुबह पहुंचा और ताजा बमों को निष्क्रिय कर दिया। अग्निशमन विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे। इस बीच, बम को निष्क्रिय करने के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई। पुलिस बल तैनात किया गया। लेकिन उस क्षेत्र में इतने सारे बम कहां से आये? यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि इन्हें इस क्षेत्र में किसने छोड़ा। स्थानीय निवासियों ने क्षेत्र में पुलिस निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

मुर्शिदाबाद हिंसा पूर्व नियोजित थी : शुभंकर सरकार

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी सांसद व पर्यवेक्षक के साथ मुर्शिदाबाद के हिंसा प्रभावित इलाकों का किया दौरा

मुर्शिदाबाद : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने शनिवार को मुर्शिदाबाद जिले के हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया और दावा किया कि दंगे 'पूर्व नियोजित' थे और इसमें कोई स्थानीय मुस्लिम शामिल नहीं था। शुभंकर सरकार के साथ मालदह दक्षिण सांसद ईशा खान चौधरी और कांग्रेस पर्यवेक्षक अंबा प्रसाद सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ सदस्य थे। कांग्रेस नेताओं के साथ शमशेरगंज पहुंचे शुभंकर सरकार ने पीड़ित परिवारों से बात की और मांग की कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उन्हें नौकरी प्रदान करें और उनके बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी लें। शुभंकर सरकार ने कहा कि यहां (मुर्शिदाबाद में)

हर समुदाय के लोग एकसाथ रहते हैं। स्थानीय मुसलमान दंगों में शामिल नहीं हैं। यह पूर्वनियोजित हिंसा है। कुछ लोग दोहरी राजनीति के कारण बंगाल में हिंसा फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री को पीड़ितों के परिवारों को नौकरी देनी चाहिए और उनके बच्चों की शिक्षा का ध्यान रखना चाहिए। 10 लाख रुपये का मुआवज़ा कब तक चलेगा? कांग्रेस नेता ने कहा कि यदि राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया होता तो ऐसी हिंसा को टाला जा सकता था। उन्होंने कहा कि मैं पूछ रहा हूं कि आग किसने लगाई? क्या वह भाजपा थी? फिर उन्हें माचिस किसने दी? अगर राज्य प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया होता तो शायद ऐसी घटना नहीं होती। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोग कोई भी मांग कर सकते हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम उनके साथ रहें और यह सभी राजनीतिक दलों का कर्तव्य होना चाहिए। हमारी पार्टी के नेता और समर्थक उनके साथ हैं। हम हिंदू और मुसलमानों के साथ हैं।

मुर्शिदाबाद हिंसा प्रभावित लोगों के शिविरों को निरूद्ध केंद्रों में तब्दील कर दिया गया है : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने हिंसा पीड़ितों के राहत शिविरों को 'निरूद्ध' केंद्रों में तब्दील कर दिया है और प्रशासन बाहर से आने वाले किसी भी व्यक्ति को उनसे मिलने या उनकी दशा देखने की 'अनुमति नहीं दे रहा' है। विपक्ष के नेता ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर हिंसा प्रभावित लोगों के प्रति 'अमानवीय' व्यवहार करने का भी आरोप लगाया। इस दिन, वरिष्ठ भाजपा नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि लोगों, विशेष रूप से महिलाएं और बच्चे अपनी गरिमा की रक्षा के लिए धुलियान और शमशेरगंज में अपना घर-बार छोड़ने के लिए

मजबूर हुए तथा भागीरथी नदी के पार वैष्णवनगर क्षेत्र में परलालपुर उच्च विद्यालय भवन और अन्य नजदीकी स्कूलों में शरण ली। शुभेंदु ने आरोप लगाया कि हालांकि, सरकार अपना अमानवीय चेहरा दिखा रही है और मीडिया तथा स्वयंसेवी संगठनों को विस्थापित लोगों से बातचीत करने की अनुमति नहीं दे रही है। उन्हें भोजन में घटिया किस्म का चावल परोसा जा रहा है। पुलिस विस्थापितों के लिए गैर सरकारी संगठनों द्वारा दान किये गए भोजन को स्थानीय गोदामों में जमा कर रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि विस्थापितों की मदद के लिए आगे आए गैर सरकारी संगठनों के खिलाफ झूठे मामले बनाकर उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। भाजपा विधायक ने कहा कि अपने घर-बार छोड़कर पलायन करने वाले लोगों के साथ ऐसा व्यवहार क्रूर, अमानवीय और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के खिलाफ है। शुभेंदु ने धमकी दी कि यदि मानवाधिकारों का ऐसा हनन जारी रहा तो वह अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे।

शहर में लगातार जुलूस और प्रदर्शन, कोलकाता पुलिस आयुक्त ने पुलिस अधिकारियों को दिया कड़ा संदेश

कोलकाता, समाज्ञा : नए वक्फ कानून के विरोध में शहर भर में बैठकें, जुलूस, विरोध और प्रदर्शन हो रहे हैं। न केवल वक्फ फाउंडेशन, बल्कि नौकरी चाहने वाले भी विरोध कर रहे हैं। संक्षेप में, हाल के दिनों में कोलकाता शहर के मध्य में अधिकाधिक विरोध प्रदर्शन, बैठकें और जुलूस आयोजित हो रहे हैं।

इस स्थिति के मद्देनजर कोलकाता पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा ने पुलिस अधिकारियों को कड़ा संदेश दिया है। कोलकाता पुलिस सूत्रों के अनुसार, कोलकाता पुलिस आयुक्त ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि शहर में किसी भी कानून का उल्लंघन होने या सड़कें अवरुद्ध होने पर वे ड्यूटी पर अधिक सतर्क रहें। सूत्रों के अनुसार, कुछ दिन पहले हुई तोड़फोड़ की घटना से सीख लेते हुए सीपी ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी सभा, जुलूस या कानून का उल्लंघन करने के लिए कितने लोग आ रहे हैं, इसकी पहले से जानकारी रखें। वे क्या सोच रहे हैं? मनोज वर्मा ने कोलकाता पुलिस कर्मियों को हर चीज के लिए और अधिक तैयार रहने का निर्देश दिया। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि पुलिस कमिश्नर हाल ही में भांगड़ में पुलिस की भूमिका से संतुष्ट हैं। सूत्रों का कहना है कि उन्होंने यह बात कोलकाता पुलिस की अपराध बैठक में कही।

बंगाल में अब हिंदू शरणार्थी बन गए है : मिथुन चक्रवर्ती

❑ **भाजपा नेता ने एक बार फिर की राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग**

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा नेता व अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने एक बार फिर केंद्र सरकार से पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि राज्य में कानून व्यवस्था ठीक नहीं है। खासकर मुर्शिदाबाद जिले में जो हिंसा हुई, उससे वो बहुत चिंतित हैं। मिथुन ने कहा कि मैंने कई बार अनुरोध किया है और मैं अभी भी गृह मंत्री से अनुरोध कर रहा हूं। कम से कम, कृपया चुनाव के दौरान दो महीने के लिए अंदर सेना तैनात करें। अगर उन्हें तैनात किया जाता है, तो निष्पक्ष चुनाव होंगे। मिथुन चक्रवर्ती

ने बंगाल पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगाया। उन्होंने कहा कि पुलिस सिर्फ फंक्शन देखने आती है। जहां दंगे हो रहे होते हैं, वहां कुर्सी लगाकर तमाशा देखती है और फिर चुपचाप वापस चली जाती है। उन्होंने कहा कि पुलिस की भूमिका अब कानून व्यवस्था संभालने की नहीं रह गई, बल्कि मूकदर्शक बनने की हो गई है। मिथुन ने दावा किया कि अगर मुख्यमंत्री चाहें तो एक दिन में हिंसा पर काबू पाया जा सकता है। लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा क्योंकि जिन लोगों की मदद से सरकार बनी है, उन्हीं को संतुष्ट रखने की कोशिश हो रही है। बंगाल में अब सनातनी, सिख और ईसाई समुदाय के लोग तृणमूल को वोट नहीं देते, इसलिए जो उनका 'वोट बैंक' है, उन्हें खुश रखना सरकार की प्राथमिकता बन गई है इसलिए अपराधियों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं हो रही। बंगाल में अब हिंदू शरणार्थी बन गए हैं।

वक्फ कानून को लेकर भ्रम फैला रही है तृणमूल! अब समर्थन में सड़क पर उतरेगी बंगाल बीजेपी

कोलकाता : वक्फ संशोधन कानून को लेकर पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में लगातार अशांति बनी हुई है। मुस्लिम समुदाय के एक बड़े वर्ग में इस कानून को लेकर नाराज़गी है। इसी पृष्ठभूमि में अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अल्पसंख्यक मोर्चा पूरे राज्यभर में इस कानून के समर्थन व इसके सकारात्मक पहलुओं को लेकर जागरूकता अभियान चलाने जा रहा है। भाजपा का कहना है कि विपक्षी पार्टियाँ खासकर तृणमूल कांग्रेस मुस्लिम समुदाय को इस कानून को लेकर गुमराह कर रही है। भाजपा के अनुसार, यह कानून मुस्लिम समाज के 'पसमांदा' वर्ग के विकास और विशेष रूप से मुस्लिम महिलाओं के सशक्तिकरण के उद्देश्य से लाया गया है। पार्टी ने यह भी साफ किया है कि यह कानून किसी भी तरह से मुस्लिम धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता। अब भाजपा की योजना है कि राज्य के प्रत्येक सांगठनिक ज़िले और मुस्लिम बहुल इलाकों में इनडोर सभाओं के माध्यम से इस कानून के फायदे लोगों तक पहुंचाए जाएं। पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व इस अभियान की कमान खुद संभाल रहा है।

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के नेतृत्व में एक केंद्रीय समिति पहले ही गठित की जा चुकी है, जो जल्द ही बंगाल का दौरा करेगी। यह समिति राज्य के अल्पसंख्यक भाजपा नेताओं के साथ बैठक कर आगामी रणनीति तय करेगी। इस कदम के माध्यम से भाजपा न केवल मुस्लिम समाज को केंद्र सरकार की मंशा समझाना चाहती है, बल्कि विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे कथित भ्रम का भी जवाब देना चाहती है।

मुर्शिदाबाद हिंसा में हुए नुकसान के बाद घरों और दुकानों का सर्वे जल्द पूरा करने का मुख्य सचिव का आदेश

कोलकाता, समाज्ञा : वक्फ कानून के विरोध में हुए आंदोलन के चलते पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में फैली हिंसा ने कई इलाकों को प्रभावित किया है। इस दौरान कई घरों और दुकानों में तोड़फोड़ हुई, जबकि कई लोग मारपीट में घायल हो गए। अब इस हिंसा में हुए नुकसान का आकलन प्रारंभिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में सामने आया है। इसी रिपोर्ट के आधार पर मुख्य सचिव मनोज पंत ने शनिवार को जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि क्षतिग्रस्त घरों और दुकानों का विस्तृत सर्वेक्षण जल्द से जल्द पूरा किया जाए। मुख्य सचिव ने शनिवार को विभिन्न जिलों के जिलाधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने कहा कि जिन लोगों के घर इस हिंसा में क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनकी सूची तत्काल भेजी जाए। ताकि उन्हें राज्य सरकार की 'बांग्लार बाड़ी' योजना के अंतर्गत सहायता की पहली किस्त दी जा सके। इसके साथ ही, जिनकी दुकानें इस दौरान क्षतिग्रस्त हुई हैं, उनकी भी अलग सूची तैयार कर राज्य सरकार को सौंपी जाए। सूत्रों के अनुसार, अब तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार मुर्शिदाबाद जिले में 109 घर हिंसा की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हुए हैं। मुख्य सचिव ने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि जैसे ही लोग अपने घरों में वापस लौटें, उन्हें मुआवजा राशि तुरंत मिले और वे अपने घरों का पुनर्निर्माण कार्य शुरू कर सकें। मुख्य सचिव ने बैठक के दौरान मुर्शिदाबाद के अतिरिक्त जिला अधिकारी को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस बैठक में सभी संबंधित विभागों के सचिव, जिलाधिकारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इसके साथ ही अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि दुकानों में हुई क्षति का मूल्यांकन तेजी से पूरा कर विस्तृत रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपें, ताकि पीड़ितों को शीघ्र राहत दी जा सके।

❑ **नवान्न का अवैध बालू खनन और जलजमीन भराई पर सख्त कदम, जिलों को दिए कड़े निर्देश**

पश्चिम बंगाल सरकार ने अवैध बालू खनन और जलजमीन (वेटलैंड) की अवैध भराई के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। हाल ही में नवान्न में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों और 12 विभागों के सचिवों के साथ बैठक की और इन गतिविधियों पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां-जहां यह अवैध कार्य हो रहा है, उन्हें तुरंत रोका जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। मुख्य सचिव ने कहा कि जलजमीन की रक्षा बेहद जरूरी है और सभी परियोजनाएं पर्यावरण कानूनों के तहत ही चलाई जानी चाहिए। इसके साथ ही गर्मी को देखते हुए पश्चिम बंगाल के पश्चिमी जिलों में पीने के पानी की संभावित कमी को लेकर सतर्कता बरतने को कहा गया है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व जिला प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि जल आपूर्ति से संबंधित किसी भी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जाए। जनहित में ये निर्देश तुरंत प्रभाव से लागू करने को कहा गया है।

❑ **मानसून की पूर्व तैयारियों को लेकर नवान्न ने जारी किए निर्देश**

आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए पश्चिम बंगाल सरकार ने संभावित आपदाओं से निपटने के लिए प्रशासन को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। नवान्न की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि संभावित बाढ़ की स्थिति में प्रभावित इलाकों तक राहत सामग्री शीघ्र पहुंचाई जाए और उसके लिए पहले से व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही राज्य भर में नदी बांधों की स्थिति की समीक्षा करते हुए मरम्मत कार्य में तेजी लाने पर जोर दिया गया है। शनिवार को नवान्न में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिलाधिकारियों, अतिरिक्त जिलाधिकारियों और 12 प्रमुख विभागों के सचिवों ने भाग लिया। बैठक में सिंचाई विभाग को निर्देशित किया गया कि मानसून शुरू होने से पहले सभी नदी बांधों का निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत का कार्य पूर्ण कर लिया जाए। विशेष ध्यान हुगली जिले के खानाकुल और दक्षिण 24 परगना के सुंदरबन क्षेत्रों पर देने को कहा गया है, जहां हर साल जलस्तर बढ़ने से बांध टूटने और बाढ़ की आशंका बनी रहती है।

ग्राम बंगाल का दिल जीतने की कोशिश,

शुभेंदु-सुकांत समेत शीर्ष नेताओं को 'ग्राममुखी' बनाने फिर से शुरू हो रहा है भाजपा का कार्यक्रम

कोलकाता : ग्राम क्षेत्रों में जीत हासिल किए बिना बंगाल में सत्ता पर काबिज होना संभव नहीं-यह बात अब देर से ही सही, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेतृत्व टीम समझ चुकी है। इसी कारण 2026 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भाजपा फिर से 'ग्राम चलो' कार्यक्रम को शुरू करने जा रही है, जो पहले अपेक्षित सफलता नहीं ला पाया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है पार्टी के शहरी नेताओं और मंत्रियों को गांव की ओर मोड़ना।

इससे पहले इस अभियान के तहत पार्टी ने पुराने और नए मंडल अध्यक्षों सहित शीर्ष पदाधिकारियों, ब्लॉक और पंचायत सदस्यों तथा नगरपालिकाओं के पार्षदों को गांवों की ओर भेजने का प्रयास किया था। प्रत्येक कार्यकर्ता को 8 घंटे तक किसी एक गांव, मोहल्ला या बस्ती में रहने और वहां का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया था। साथ ही मंदिर, अस्पताल, स्कूल या सड़कों की सफाई अभियान में भाग लेना, केंद्र सरकार की योजनाओं से लाभान्वित 10 लोगों से मिलना, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं को सम्मानित करना और बूथ समिति की बैठक आयोजित करना अनिवार्य किया गया था। इसके अलावा भाजपा का झंडा लेकर रैली निकालने का भी निर्देश था।

हालांकि, जिलास्तर से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, कुल 1300 मंडलों में से लगभग आधे में ही यह कार्यक्रम नाम मात्र का हुआ। गिने-चुने कार्यकर्ता ही मैदान में उतरे, और बूथ स्तर पर तो कार्यकर्ताओं की भारी कमी देखी गई।

अब, आगामी 2026 के चुनाव को ध्यान में रखते हुए भाजपा इस पिछली असफलता को पीछे छोड़कर एक बार फिर 'ग्राम दखल' की रणनीति पर काम करना चाहती है। इस बार रणनीति की कमान खुद शीर्ष नेताओं के हाथ में दी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय नेतृत्व से यह स्पष्ट निर्देश आया है कि राज्य भाजपा के अग्रणी नेताओं को सीधे जमीनी स्तर पर जाकर जनता से संवाद करना होगा। उनके लिए एक तयशुदा कार्यक्रम भी तैयार किया जाएगा।

इस जनसंपर्क अभियान का औपचारिक नाम होगा 'ग्राम चलो' और 'बस्ती चलो'। इस बार कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता जैसे सुकांत मजूमदार, शुभेंदु अधिकारी, अग्निमित्रा पाल, जगन्नाथ चट्टोपाध्याय और लोकेट चट्टोपाध्याय भी भाग लेंगे।

भाजपा की इस रणनीति से यह स्पष्ट है कि वह अब ग्रामीण वोट बैंक को साधने की पूरी तैयारी कर रही है, ताकि बंगाल की सत्ता तक पहुंचने का रास्ता तैयार किया जा सके।

मुर्शिदाबाद हिंसा के खिलाफ विहिप का देशव्यापी प्रदर्शन, बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

नयी दिल्ली/कोलकाता : विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने वक्फ कानून में संशोधन को लेकर मुर्शिदाबाद में हुई सांप्रदायिक हिंसा के खिलाफ शनिवार को देश के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन किया और राज्य में तत्काल राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। मुर्शिदाबाद, दिल्ली, नोएडा और नागपुर सहित अन्य स्थानों पर प्रदर्शन किये गए, जिसमें विहिप सदस्यों ने पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो जाने का आरोप लगाया। दिल्ली के नांगलोई चौक पर, विहिप के महासचिव बजरंग बागड़ा ने पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा की निंदा करते हुए प्रदर्शन की अगुवाई की। नोएडा में, विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ रैली निकाली गई।

मुर्शिदाबाद में भी इसी तरह का

विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसमें पिछले सप्ताह जिले में हुई हिंसा की निंदा की गई। विरोध प्रदर्शन में शामिल एक विहिप नेता ने कहा कि हम राष्ट्रपति को पत्र लिखने जा रहे हैं, जिसमें उनसे बंगाल में व्याप्त स्थिति में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद में करीब 500 परिवार अपना घर-बार छोड़कर मालदा के एक स्कूल में शरण लेने को मजबूर हुए हैं। हम इस मामले की एनआईए जांच और पश्चिम बंगाल में तत्काल राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करते हैं। विहिप ने मुर्शिदाबाद हिंसा की निंदा करते हुए महाराष्ट्र के नागपुर में भी प्रदर्शन किया और पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की।

तेज रफ्तार गाड़ी की टक्कर से दो साल की बच्ची की मौत

नदिया : नदिया जिले के हांसखाली थानांतर्गत अंतर्गत गाड़ापोटा इलाके में शनिवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो वर्षीय बच्ची की जान चली गई। मृत बच्ची की पहचान उर्मी विश्वास के रूप में हुई है, जो घर के सामने एक अन्य बच्चे के साथ खेल रही थी। खेलते-खेलते वह अचानक सड़क पर पहुंच गई, तभी एक तेज रफ्तार मालवाहक वाहन ने उसे टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों और परिजनों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने तेज रफ्तार वाहनों पर लगाम लगाने और ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की मांग की है। पुलिस ने वाहन और चालक की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मामा के घर घूमने आई एक नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप, पड़ोसी वृद्ध गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा

मामा के घर घूमने आई एक नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोप में एक पड़ोसी वृद्ध को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बुजुर्ग का नाम निशिकांत बिस्वास (75) है। यह सनसनीखेज घटना नदिया के तेहट्टा इलाके में घटी। बताया गया है कि नाबालिग कई दिन पहले एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपने मामा के घर आई थी। मामा के घर आने-जाने के कारण वह आरोपित वृद्ध से पहले से परिचित थी। वह उसे दादा कहकर बुलाती थी। शुक्रवार की दोपहर वृद्ध व्यक्ति नाबालिग को अपने घर ले गया। उस कमरे में एक और नाबालिग लड़का भी था। कुछ देर बाद नाबालिग लड़का घर से निकल गया। कथित तौर पर, उसने मौके का फायदा उठाया और फिर नाबालिग को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। नाबालिग ने खुद को बचाने के लिए जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। चीख-पुकार सुनकर परिवार के सदस्य और पड़ोसी घटनास्थल पर पहुंचे। वृद्ध को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस को सूचना दी गई। रात में ही पुलिस ने घटनास्थल पर जाकर वृद्ध को गिरफ्तार कर लिया। जांचकर्ता गिरफ्तार व्यक्ति को पुलिस स्टेशन ले गए और उससे पूछताछ की। गिरफ्तार व्यक्ति को शनिवार को अदालत में पेश किया गया। यह भी बताया गया है कि नाबालिग का शारीरिक परीक्षण भी किया जाएगा। घटना के बाद इलाके में अस्थायी तनाव की खबरें आईं।

मुख्यमंत्री ममता ने बीजेपी और उसके सहयोगियों की आक्रमकता पर दी कड़ी प्रतिक्रिया

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में बीजेपी और उनके सहयोगी दलों की बढ़ती आक्रमकता को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गंभीर प्रतिक्रिया दी है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) राज्य में झूठ फैलाकर समाज में तनाव उत्पन्न कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस का नाम पहले नहीं लिया गया था, लेकिन अब उन्हें यह स्वीकार करना पड़ रहा है कि राज्य में जो गलत सूचनाएं फैल रही हैं, उसके पीछे आरएसएस का भी हाथ है। मुख्यमंत्री ने बीजेपी और उनके सहयोगियों पर आरोप लगाया कि वे साम्प्रदायिक दंगे भड़काने की कोशिश कर रहे हैं और इसे 'डिवाइड एंड रूल' की खतरनाक राजनीति का हिस्सा बताया। ममता ने जनता से अपील की कि वे शांति बनाए रखें

और दंगों में शामिल अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में राम नवमी का उत्सव शांतिपूर्वक मनाया गया था, इसके बावजूद कुछ असमाजिक तत्वों ने इसका राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की। ममता बनर्जी ने हिंदू धर्म को एक विश्वव्यापी धर्म के रूप में प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस धर्म में सभी धर्मों का सम्मान करने की शिक्षा दी जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी और उनके सहयोगी हिंदू धर्म का गलत प्रचार करके राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में किसी भी समुदाय को असहज महसूस करने की आवश्यकता नहीं है, राज्य सरकार सभी को सुरक्षा और सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य की सांस्कृतिक एकता को लेकर ममता ने कहा कि बंगाल में सभी प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सवों को समान सम्मान मिलता है। उन्होंने दुर्गापूजा, काली पूजा, होली, ईद, क्रिसमस, बुद्धपूर्णिमा आदि का उदाहरण देते हुए राज्य की विविधता और एकता को प्रमुख बताया। मुख्यमंत्री ने सभी से संयम बनाए रखने की अपील की और कहा, हम एक साथ मिलकर इस राजनीति का मुकाबला करेंगे और राज्य को और मजबूत बनाएंगे। उन्होंने अपने संबोधन का समापन कविगुरु रवींद्रनाथ ठाकुर के प्रसिद्ध शब्दों के साथ किया।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | www samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

बालुरघाट में बीडीओ कार्यालय घेराव के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प, पुलिस पर लाठीचार्ज का आरोप

दक्षिण दिनाजपुर : मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के विरोध में शनिवार को केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार के नेतृत्व में भाजपा समर्थकों की दक्षिण दिनाजपुर जिले में पुलिस के साथ झड़प हो गई। पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद पुलिस पर हल्का लाठीचार्ज करने का आरोप लगा है। इस रैली का आयोजन मुर्शिदाबाद में वक्फ़ विवाद और राज्यभर में 26 हजार शिक्षक-अशिक्षक कर्मचारियों की नौकरी छिनने के विरोध में किया गया था। बालुरघाट के मदर टेरेसा मोड़ से शुरू होकर यह

रैली पूरे शहर से होती हुई जिला शासक कार्यालय के समीप पहुंची, जहां पहले से ही हाइ सिक्योरिटी ज़ोन घोषित कर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। रैली के जिला शासक कार्यालय पहुंचते ही पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश की, लेकिन आरोप है कि कुछ कार्यकर्ता बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने लगे। इसके बाद, पुलिस द्वारा हल्का बल प्रयोग किए जाने से माहौल गरमा गया और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। भाजपा की ओर से यह आरोप लगाया गया है कि शांतिपूर्ण विरोध को बलपूर्वक दबाया जा रहा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने दावा किया कि पुलिस द्वारा भाजपा समर्थकों पर बिना उकसावे के लाठीचार्ज किया गया, जिससे ममता बनर्जी सरकार का अलोकतांत्रिक चेहरा सामने आया है। उन्होंने कहा कि राज्य पुलिस दंगाइयों को नहीं रोक सकती। जब बदमाशों और गुंडों की भीड़ का सामना करना पड़ता है तो वह कहती है कि संख्या में कम पड़ है। लेकिन वह गुंडों और दंगाइयों के अत्याचारों के खिलाफ भाजपा के लोकतांत्रिक विरोध को कुचल देती है। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने बीडीओ (खंड विकास अधिकारी) कार्यालय में घुसने की कोशिश की, जिसके बाद उन पर हल्का बल प्रयोग किया गया। उन्होंने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है। केंद्रीय मंत्री मजूमदार ने मांग की कि मुर्शिदाबाद में हिंसा के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को गिरफ्तार किया जाए और विस्थापित लोगों को सुरक्षित महसूस कराने के लिए प्रशासन द्वारा विश्वास बहाली के उपाय किए जाएं।

इलाज में लापरवाही के आरोप को लेकर दुर्गापुर में निजी अस्पताल में गोलीबारी, चार गिरफ्तार

पश्चिम बर्दवान : जिले के दुर्गापुर में एक मल्टी-सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में शुक्रवार की रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक मरीज के परिजनों ने चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में गोलीबारी कर दी। घटना के बाद पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना की शुरुआत बसुदेव पाल (53) के इलाज को लेकर हुई, जो अंगदपुर के रहने वाले हैं और गुरुवार को सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें शीघ्र ही दुर्गापुर के शोभापुर इलाके में स्थित एक निजी मल्टी-सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, बसुदेव की स्थिति चिंताजनक थी और बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों ने उन्हें किसी उच्च स्तरीय अस्पताल में स्थानांतरित करने की सलाह दी थी। मरीज के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने उनके साथ कोई संपर्क नहीं किया और न ही उन्हें मरीज से मिलने की अनुमति दी गई। इससे नाराज परिजनों ने शुक्रवार की रात अस्पताल के सामने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दुर्गापुर थाने की पुलिस को मौके पर भेजा गया।

पुलिस के अनुसार, परिजनों ने जबरन अस्पताल में प्रवेश कर डॉक्टरों से मिलने की मांग की। इस पर सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें रोका, जिसके चलते कहासुनी और फिर धक्का-मुक्की शुरू हो गई। पुलिस का कहना है कि इसी दौरान मरीज के एक परिजन ने आग्नेयास्त्र निकालकर तीन राउंड फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। इसके तुरंत बाद भारी पुलिस बल बुलाया गया और कई मिनट की मशक्कत के बाद हालात काबू में आए।

पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपित तापस राय सहित अमित कर्मकार, अनिमेष पाल और अजीत हाजरा को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से आग्नेयास्त्र भी बरामद किया गया है। शनिवार को चारों आरोपितों को दुर्गापुर महकमा अदालत में पेश किया गया। पुलिस घटना की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की जांच कर रही है और अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है।

हावड़ा मंडल में आज ट्रैफिक और पावर ब्लॉक के चलते ट्रेनों का परिचालन रहेगा प्रभावित

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा-वर्दवान कॉर्ड सेक्शन में तकनीकी कार्य के चलते आज यानी 20 अप्रैल को ट्रैफिक और पावर ब्लॉक लिया जाएगा। इस कारण कुछ ट्रेनों को रद्द किया गया है और एक लंबी दूरी की ट्रेन को मार्ग में नियंत्रित किया जाएगा। रद्द की गई ट्रेनों में हावड़ा से 36033 और 36825, चंदनपुर से 36034, वर्दवान से 36834, डानकुनी से 32228 और 32232 तथा सियालदह से 32227 और 32231 शामिल हैं। इसके अलावा, अगरतला से एसएमवीटी बेंगलुरु के बीच चलने वाली हमसफर एक्सप्रेस (12504) को आज मार्ग में लगभग 50 मिनट तक रोका जाएगा।

शिक्षक ने छात्र की बेरहमी से की पिटाई, अभिभावकों ने किया विरोध प्रदर्शन

❑ **बारासात के स्कूल में घटना के बाद उत्पन्न हुआ आक्रोश**

कोलकाता, समाज्ञा : बारासात के महात्मा गांधी मेमोरियल हाई स्कूल में 10वीं कक्षा के एक छात्र की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। आरोप है कि जीव विज्ञान के शिक्षक श्याम सनातन संतरा ने छात्र आसिफ अली को कक्षा में बुरी तरह पीटा।

इस घटना के बाद अभिभावकों ने स्कूल प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, दो दिन पहले आसिफ अली को शिक्षक ने बुरी तरह से पीटा। घर लौटने के बाद छात्र की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद परिजनों ने उसे नर्सिंग होम में इलाज के लिए भर्ती कराया। एक घंटे बाद छात्र को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, लेकिन फिर से उसकी तबीयत खराब हो गई और उसे बारासात सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। शनिवार को छात्र के माता-पिता और कक्षा के अन्य अभिभावकों ने प्रधानाचार्य से मुलाकात कर शिक्षक के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि शिक्षक की पिटाई के कारण छात्र को गंभीर चोटें आई हैं और उसके इलाज का खर्च बढ़ गया है। प्रधानाचार्य ने मामले की गंभीरता को समझते हुए जांच की बात की है और आरोपित शिक्षक के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। छात्र का इलाज अभी भी अस्पताल में जारी है।

हेस्टिंग्स थाना क्षेत्र में 36 किलोग्राम गांजे के साथ छह तस्कर गिरफ्तार

कोलकाता : नारकोटिक सेल, डीडी की टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी सहायता के आधार पर शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए खिदिरपुर विद्यासागर सेतु के पास से छह तस्करों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई सुबह 11 बजे के करीब केपी रोड के दक्षिणी फुटपाथ, सीईएससी इलेक्ट्रिक पोल नंबर केपीआर/पीडब्ल्यूडी/43 के सामने की गई, जो हेस्टिंग्स थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

पुलिस ने इन छह आरोपियों के संयुक्त और सचेत कब्जे से लगभग 36 किलोग्राम गांजा बरामद किया, जिसे ओडिशा से कोलकाता लाकर सप्लाई किया जा रहा था। इस सिलसिले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान दक्षिण 24 परगना जिले के विभिन्न गांवों के

निवासियों के रूप में हुई है।

गिरफ्तार व्यक्तियों में दीपंकर मंडल (28), निवासी दक्षिण मामुदपुर; प्रीतम अधिकारी (27), निवासी बिबिरहाट; मृत्युंजय मंडल (36), निवासी दक्षिण मामुदपुर; बिस्वजीत भंडारी उर्फ भांडुल (31), निवासी दक्षिण मामुदपुर; रूपक यादव (20), निवासी दक्षिण अला और समीर कायल (25), निवासी दक्षिण मामुदपुर शामिल हैं।

पकड़े गए सभी अभियुक्तों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्स्टेंसेस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। इस संबंध में नारकोटिक सेल के एसआई बिवास साहा की लिखित शिकायत के आधार पर हेस्टिंग्स थाना में एक विशेष मामला दर्ज किया जाएगा। पुलिस इस नेटवर्क के पीछे के अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है।

वेतन वृद्धि की मांग पर पार्श्व शिक्षकों ने चार दिन कक्षाओं के बहिष्कार का किया आह्वान

कोलकाता, समाज्ञा

पार्श्व शिक्षकों का एक वर्ग फिर से स्कूलों में कक्षाओं का बहिष्कार करने की कगार पर है। पार्श्व शिक्षक एकता मंच ने वेतन वृद्धि की मांग को लेकर कक्षा बहिष्कार का आह्वान किया है। पार्श्व शिक्षकों के एक वर्ग ने अगले सोमवार और मंगलवार तथा गुरुवार और शुक्रवार को कक्षा बहिष्कार का आह्वान किया है।

सूत्रों के अनुसार, राज्य के पार्श्व शिक्षक एकता मंच का दावा है कि राज्य भर के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लगभग 42,000 पार्श्व शिक्षक इस कक्षा बहिष्कार कार्यक्रम में शामिल होंगे।

बता दें कि इससे पहले भी पार्श्व शिक्षकों के एक वर्ग ने तीन दिनों तक कक्षाओं का बहिष्कार किया था। बताया गया है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लेकर अधिकांश स्कूलों में गतिरोध पैदा हो गया है। स्कूलों में शिक्षकों की कमी के कारण पार्श्व शिक्षकों को स्थिति से निपटना पड़ रहा है। पार्श्व शिक्षकों के एक वर्ग ने दावा किया कि उन पर दबाव काफी बढ़ गया है। इसलिए, पार्श्व शिक्षक एकता मंच द्वारा वेतन वृद्धि की मांग की जा रही है।

पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल में मनाया जा रहा है विश्व धरोहर सप्ताह

कोलकाता, समाज्ञा : हर साल 18 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल में सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के महत्व को उजागर करते हुए सप्ताहभर चलने वाले कार्यक्रमों की शुरुआत की गई है। इस अवसर पर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर कई रचनात्मक और शैक्षिक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। 17 अप्रैल को इस कड़ी में नैहाटी, बैरकपुर और बारासात स्टेशनों पर स्काउट्स और गाइड्स के लिए चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने उत्साह से भाग लिया।

इन बच्चों ने अपनी कला के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रति

जागरूकता और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी में सांस्कृतिक धरोहर के प्रति गर्व और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। इस सप्ताहभर चलने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से न केवल सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव मनाया जा रहा है, बल्कि यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों को रेलवे की ऐतिहासिक विरासत और इसके सामाजिक महत्व के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है।

बेरोजगार शिक्षकों का 21 अप्रैल को नवान्न अभियान स्थगित

कोलकाता, समाज्ञा

मुख्यमंत्री की बातों पर भरोसा करते हुए बेरोजगार शिक्षकों ने नवान्न अभियान को फिलहाल स्थगित कर दिया है। उन्होंने शनिवार को हावड़ा और कोलकाता पुलिस आयुक्तालयों को पत्र लिखकर इस निर्णय की जानकारी दी।

'नौकरी चाहने वाले और बेरोजगार एकता मंच' के संयोजकों में से एक देबाशीष बिस्वास ने पुष्टि की कि उनका नवान्न अभियान, जो 21 अप्रैल को होने वाला था, फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। दरअसल, मुख्यमंत्री और एसएससी के वादे और सुप्रीम कोर्ट के फैसले- तीन आश्वासनों के बाद बेरोजगारों का आत्मविश्वास बढ़ा है। ऐसे में देबाशीष विश्वास ने कहा कि हमने नवान्न अभियान को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। हमने हावड़ा सिटी पुलिस और कोलकाता पुलिस को एक पत्र लिखकर उन्हें इसकी जानकारी दी है। हमें उम्मीद है कि अगर हम मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री से अपील करते हैं, तो वे हमारी बात सुनेंगे। हम फिलहाल उसी से अपील करेंगे। देबाशीष ने कहा कि इस पर निर्णय मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के साथ बातचीत के बाद ही लिया जाएगा।

पीड़ितों से मिले बिना जा रहे थे राज्यपाल, हंगामा हुआ तो मिलने लौटे

मुर्शिदाबाद : मुर्शिदाबाद जिले के धुलियान में शनिवार को राज्यपाल को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। राज्यपाल धुलियान के वार्ड-16 के बेदवाना गांव में ग्रामीणों से मिले बिना जा रहे थे, जिस पर ग्रामीण भड़क गए और जमकर हंगामा किया। विरोध को देखते हुए राज्यपाल ग्रामीणों से मिले और उनकी बात को सुना। जानकारी के मुताबिक, शनिवार को इस इलाके में जमकर तोड़फोड़ हुई। उपद्रवियों ने मंदिरों को भी निशाना बनाया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल बोस ने मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में मारे गए एक दो लोगों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन

दिया। हरगोविंद दास और चंदन दास के शव शमशेरगंज के जाफराबाद इलाके में उनके घर में पाए गए थे और शरीर पर चाकू से वार के कई निशान थे। राजभवन के एक अधिकारी ने कहा कि राज्यपाल उनके (मृतकों के परिजनों के) घर गए, परिवार के सदस्यों से बात की और उन्हें सहायता का आश्वासन दिया। परिजनों ने घटना की सीबीआई जांच की मांग की है।

हांसखाली में गाड़ी के धक्के से दो साल की बच्ची की दर्दनाक मौत

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के हांसखाली थाना अंतर्गत गाजनाग्राम पंचायत अंतर्गत गाड़ापोटा इलाके में शुक्रवार की शाम एक दर्दनाक हादसे में दो साल की मासूम बच्ची की जान चली गई। हादसा उस वक्त हुआ जब बच्ची अपने घर के सामने खेल रही थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दो बच्चे एक छह साल का और दूसरी महज दो साल दो महीने की उर्मी विश्वास घर के बाहर खेल रहे थे, तभी अचानक एक मालवाहक छोटा चारपहिया वाहन पीछे की ओर आया और तेज रफ्तार में बच्ची को टक्कर मार दी। आसपास मौजूद लोग तुरंत उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह हादसा वाहन चालक की लापरवाही के चलते हुआ। घटना के बाद से पूरे गाड़ापोटा इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। मासूम की मौत से परिजन गहरे सदमे में हैं और उन्होंने दोषी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

अब मातृभूमि लोकल में पुरुष यात्री भी कर सकेंगे सफर, सियालदह मंडल की नई तैयारी

कोलकाता, समाज्ञा : सियालदह मंडल जल्द ही मातृभूमि लोकल ट्रेनों की कुछ बोगियों को सामान्य यात्रियों के लिए आरक्षित करने संबंधी अधिसूचना जारी करने वाला है। हाल के हफ्तों में इन ट्रेनों की सवारी दर पर निगरानी के दौरान यह पाया गया कि केवल महिलाओं के लिए आरक्षित यह विशेष ट्रेनें अपनी पूरी क्षमता के साथ नहीं चल रही हैं। गौरतलब है कि सियालदह मंडल ने हाल ही में बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय सुधार करते हुए लगभग 900 लोकल सेवाओं को 9 डिब्बों वाली ईएमयू रेक से अपग्रेड कर 12 डिब्बों वाली ईएमयू रेक में परिवर्तित किया है। इस क्षमता विस्तार को देखते हुए यह भी आकलन किया गया कि यदि मातृभूमि लोकल की कुछ बोगियों को सामान्य यात्रियों (पुरुषों सहित) के लिए खोल दिया जाए, तो महिला यात्रियों के आराम और सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सियालदह मंडल यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने, संचालन को सुचारु बनाने और पुरुष यात्रियों को भी सुविधा देने के उद्देश्य से कुछ चिह्नित कोचों में अब पुरुष यात्रियों को भी चढ़ने की अनुमति देने की योजना पर तेजी से काम किया जा रहा है।

श्री जैन विद्यालय हावड़ा में भगवान महावीर स्वामी की जयंती पर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन

हावड़ा, समाज्ञा : श्री जैन विद्यालय, हावड़ा के वातानुकूलित सभागार में जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की जयंती पर एक भव्य सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन एवं भगवान महावीर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के छात्रों द्वारा महावीर स्वामी के जीवन पर आधारित नाटक, काव्यपाठ, नृत्यनाटिका, संगीत एवं गायन प्रतियोगिताओं की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। साथ ही नमस्कार मंत्र गायन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों के रूप में उपस्थित रहे विद्यालय के संस्थापक सरदारमल कांकरिया, जैनसभा के सचिव अशोक मिन्नी, वीरेंद्र गेलड़ा, पद्मा मिन्नी, विद्यालय सचिव ललित

कांकरिया, प्रख्यात प्रोफेसर डॉ. विनय कुमार मिश्रा, दुर्गा व्यास, विद्यालय की प्रिंसिपल इंदु जोसफ चौधरी आदि। विद्यालय के संस्थापक सरदारमल कांकरिया ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों को भगवान महावीर स्वामी के जीवन-दर्शन और मूल सिद्धांतों को अपनाना चाहिए, ताकि वे एक सफल, नैतिक और शांतिपूर्ण जीवन जी सकें। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनमें प्रमुख रहे संतोष कुमार तिवारी, दीपशिखा तिवारी, सपना चक्रवर्ती, एवं स्वागता सरकार आदि। समारोह के समापन पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका इंदु जोसेफ चौधरी ने आगंतुक अतिथियों, छात्रों, शिक्षक-शिक्षिकाओं और सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। मंच का सफल संचालन विद्यालय के शिक्षक प्रतिनिधि संतोष कुमार तिवारी एवं इंद्राणी गांगुली ने किया।

रात के अंधेरे में धापा गैरेज में डकैती की कोशिश, रक्तरंजित सुरक्षा कर्मी, आरोपी फरार

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता नगर निगम के डंपिंग ग्राउंड में एक डकैती की कोशिश करने का मामला सामने आया है। शुक्रवार की रात को 20 से 25 अपराधियों के एक गिरोह ने धापा स्थित गैरेज पर हमला किया। ये अपराधी पुराने स्क्रैप और उपकरणों को लूटने के इरादे से वहां पहुंचे थे। हालांकि, सुरक्षा कर्मी अनादी त्रिपाठी ने इन अपराधियों का मुकाबला करने की कोशिश की, लेकिन वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें धारदार हथियार से हमला किया गया और वे खून से लथपथ होकर अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं।

कोलकाता के धापा डंपिंग ग्राउंड को लेकर यह कहा जाता है कि यहां करोड़ों रुपये का कचरे का प्रसंस्करण होता है। इस स्थान पर पुराने वाहन के उपकरणों का बड़ा भंडार भी मौजूद है, जिनका उपयोग न केवल

नीलामी बाजार में, बल्कि काले बाजारी में भी लंबे समय से हो रहा है। शुक्रवार की रात को इसी गोदाम पर अपराधियों ने हमला किया। घटना की सूचना मिलने के बाद नगर निगम के सहायक अभियंता और अन्य अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। बाद में प्रगति मैदान थाना में अपराधियों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन अब तक किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। गैरेज में लगे सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है।

जेईई मेन 2025 में डीपीएस रूबी पार्क के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

दिशांत बसु

अस्त्रो राय

रौनक रॉय

सुमित कुंडू

सुनहत पारिया

❑ **54% छात्रों ने किया जेईई एडवांस के लिए क्वालिफाई**

कोलकाता, समाज्ञा : दिल्ली पब्लिक स्कूल, रूबी पार्क के छात्रों ने जेईई मेन 2025 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस वर्ष कुल 139 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी, जिनमें से 75 छात्रों (54%) ने जेईई एडवांस के लिए क्वालिफाई किया है। इनमें से 19 छात्रों ने 99 से अधिक स्कोर प्राप्त किया, जो प्रतिस्पर्धात्मक स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि है। टॉप प्रदर्शन करने वाले छात्रों में सबसे ऊपर दिशांत बसु रहे, जिन्होंने 99.99 अंक के साथ ऑल इंडिया रैंक 50 प्राप्त की। अस्त्रो राय ने भी उतने ही अंक हासिल किए और रैंक 51 प्राप्त की। रौनक रॉय ने 99.96 स्कोर कर रैंक 647, जबकि सुमित कुंडू ने 99.94 के साथ रैंक 916 प्राप्त की। सुनहत परिया को 99.83 स्कोर मिला और वह रैंक 2653 पर रहे। आरण्यक राय ने 99.77 अंकों के साथ 3617वीं रैंक प्राप्त की। देबब्रत नस्कर ने 99.72 अंक प्राप्त किए और वह एससी श्रेणी में रैंक 89 पर रहे। अभिरूप विश्वास को 99.63, नक्षत्र दासगुप्ता को 99.61, और प्रण विजय सिंह को 99.55 अंक प्राप्त हुए, जिनकी रैंक क्रमशः 5742, 6024, और 7006 रही। श्रेय पंडित ने 99.48, अविक्षित मंडल मैती ने 99.45, देवब्रत झा ने 99.37, दीप्तांशु रॉय ने 99.23, शुभम बोथरा ने 99.22, इशान पॉल ने 99.16, सौम्यदीप दास ने 99.06, सोहम चटर्जी ने 99.04, और आहान भट्टाचार्य ने 99.00 अंक प्राप्त किए।

इस उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधन ने सभी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। डीपीएस रूबी पार्क की इस सफलता ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि निरंतर प्रयास, अनुशासन और गुणवत्ता शिक्षा के माध्यम से हर चुनौती को पार किया जा सकता है।

पूर्व रेलवे ने मालदह मंडल के न्यू फरक्का-बरहरवा सेक्शन में पूरा किया ट्रैक रखरखाव का कार्य

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के मालदह मंडल ने न्यू फरक्का-बरहरवा सेक्शन की अप लाइन पर 17 अप्रैल को एक महत्वपूर्ण ट्रैक रखरखाव और संशोधन कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। यह कार्य सुबह 11:25 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक किया गया, जिसका उद्देश्य इस व्यस्त मार्ग पर ट्रैक सुरक्षा और संचालन क्षमता को और बेहतर बनाना था। इस कार्य के तहत मुख्य रूप से टिलडांगा स्टेशन पर अप लाइन की फोर्स लेआउट को हटाकर 1.25 मीटर के एक प्वाइंट को शिफ्ट किया गया। यह बदलाव ट्रैक के सरेखण और दीर्घकालिक स्थायित्व को मजबूत करने में बेहद अहम भूमिका निभाएगा। मुख्य कार्य के अलावा, ब्लॉक अवधि के दौरान कई अन्य महत्वपूर्ण अनुरक्षण कार्य

भी पूरे किए गए। इनमें बोनिडांगा स्टेशन की अप लाइन पर प्वाइंट कन्वर्जन, टर्नआउट टैम्पिंग तथा 100 मीटर ट्रैक की टैम्पिंग शामिल रही, जिससे टर्नआउट क्षेत्र की मजबूती और समरूपता सुनिश्चित की गई। साथ ही, तिलडांगा-बोनिडांगा सेक्शन की अप लाइन पर एलसी गेट नंबर 62 पर रेल पाइलिंग का कार्य भी सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इसके अलावा, तिलडांगा स्टेशन की अप लाइन पर 6 रेल जॉइंट्स की वेल्डिंग भी पूर्ण की गई, जिससे ट्रैक की मजबूती और प्रदर्शन में और वृद्धि हुई।

भांगड़ में फिर अशांति, आईएसएफ पर तृणमूल कार्यालय में तोड़फोड़ और आगजनी का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ में शुक्रवार की देर रात एक बार फिर हालात तनावपूर्ण हो गए जब अज्ञात उपद्रवियों ने तृणमूल कांग्रेस के पार्टी कार्यालय में जमकर तोड़फोड़ की और आग के हवाले कर दिया। इस हमले के पीछे आईएसएफ समर्थित असामाजिक तत्वों का हाथ होने का आरोप लगा है। घटना चालताबेड़िया ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले चक मरीचाबन गांव की है, जहां अचानक कुछ उपद्रवी पहुंचे और तृणमूल कार्यालय में तोड़फोड़ करने के बाद उसमें आग लगा दी। घटना

की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और हालात पर काबू पाया। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है और हमलावरों की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी गई है। बता दें कि पिछले सोमवार को वक्फ़ क़ानून के विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान भांगड़ पहले ही हिंसा की चपेट में आ चुका है। उस दिन पुलिस की गाड़ियां और बाइकें जला दी गई थीं, और कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। ऐसे में शुक्रवार की रात को हुई यह घटना इलाके को और भी संवेदनशील बना गई है। घटना के बाद शनिवार को भी इलाके में भारी तनाव का माहौल रहा। पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनज़र पूरे क्षेत्र में कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। तृणमूल की ओर से इस हमले के खिलाफ शनिवार को एक विरोध रैली निकाली गई है। इस संबंध में कैनिंग पूर्व से तृणमूल विधायक शौकत मोल्ला ने आईएसएफ पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भांगड़ को बार-बार अशांत करने की साज़िश रची जा रही है। आईएसएफ समर्थित दुष्ट तत्वों ने ही इस घटना को अंजाम दिया है। ये लोग लोगों को चैन से जीने नहीं दे रहे हैं और डर का माहौल बना रखा है।

श्रीरामपुर में भ्रूण का क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी, स्थानीय लोगों में आक्रोश

हुगली : हुगली जिले के श्रीरामपुर नगरपालिका के वार्ड संख्या 29 अंतर्गत प्रभाषनगर इलाके में उस समय सनसनी फैल गई, जब स्थानीय लोगों ने सैनिक कैंटीन के सामने एक प्लास्टिक बैग में भ्रूण का क्षत-विक्षत शव देखा। आशंका है कि किसी महिला ने सामाजिक भय और लोकलाज के चलते लगभग तीन से चार महीने के भ्रूण का गर्भपात कर उसे सड़क किनारे फेंक दिया। संभवतः किसी वाहन से कुचले जाने के कारण शव अत्यंत विकृत अवस्था में मिला।

घटना की जानकारी मिलते ही वार्ड पार्षद जयनाथ झा ने तत्परता दिखाते हुए श्रीरामपुर थाने को सूचित किया। सूचना पाकर श्रीरामपुर थाना प्रभारी सुखमय चक्रवर्ती अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे और भ्रूण के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए वॉल्स अस्पताल भेज दिया।

पुलिस घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपी की पहचान की जा सके। थाना प्रभारी ने कहा कि इस अमानवीय कृत्य में शामिल व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

घटना के बाद से इलाके में रोष का माहौल है। स्थानीय लोगों ने जल्द से जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर उसे सख्त सज़ा देने की माँग की है।

जेईई मेन की परीक्षा में इंडियन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने मारी बाजी

हावड़ा : जेईई मेन की परीक्षा में मध्य हावड़ा स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इस स्कूल के दीपांजन दे ने 99.94 फीसदी नंबर लाकर कर पूरे भारत में 978 वां स्थान प्रप्त किया है। वहीं, इस परीक्षा में इसी स्कूल के जैनम भंसाली ने 99.89, साम्यक जैन 99.88, प्राची जैन 99.68, शुभम कुमार चौरसिया 98.78, श्रेयस कानरा 97.68, समुद्र राय 97, रवि कुमार शाह 94.28, नंदिनी यादव 93.84, त्रिपार्णो बोराल 93.1 और ओम तयाल ने 92.89 प्रतिशत नंबर लाकर बाजी मारी है। स्कूल की ओर से इन सभी विद्यार्थियों को बधाई दी गयी है।

संदेशखाली में भाजपा-तृणमूल समर्थकों की झड़प, दस घायल

- **तृणमूल ने भाजपा पर गोलीबारी का आरोप लगाया, भाजपा ने किया खारिज**
- **पुलिस ने पांच लोगों को किया गिरफ्तार, जांच जारी**

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के जेलियाखाली, संदेशखाली में

शनिवार को भाजपा और तृणमूल समर्थकों के बीच झड़प के कारण तनाव बढ़ गया है। इस झगड़े में तृणमूल और भाजपा के कम से कम 10 कार्यकर्ता घायल हो गए। उनमें से आठ की हालत ऐसी थी कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। हंगामे और मारपीट के संबंध में संदेशखली-2 ब्लॉक के तृणमूल अध्यक्ष दिलीप मल्लिक ने दावा किया कि कुछ भाजपा कार्यकर्ता स्थानीय मस्जिद के इमाम से बात कर रहे थे। उसी समय वहां कुछ तृणमूल कार्यकर्ता पहुंच गए और उन्होंने पूछा कि क्या चर्चा हो रही है तो भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन पर अचानक हमला कर दिया। जिसमें छह तृणमूल कार्यकर्ता और समर्थक गंभीर रूप से घायल हो गए। दिलीप मल्लिक ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर गोलीबारी का भी आरोप लगाया। हालांकि, भाजपा ने आरोपों को खारिज कर दिया है। भाजपा के उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट सांगठनिक जिला अध्यक्ष सुकल्याण वैद्य ने दावा किया कि तृणमूल ने वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में जालियाखाली में विरोध मार्च का आयोजन किया था। तृणमूल के लोगों ने भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों को जबरन उस जुलूस में ले जाने की कोशिश की। जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने जुलूस में शामिल होने से इन्कार कर दिया तो तृणमूल के लोगों ने उन पर हमला कर दिया। तभी दोनों पक्षों के बीच झड़प शुरू हो गई। उनका दावा है कि तृणमूल कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने बिना उकसावे के भाजपा कार्यकर्ताओं की पिटाई की। हंगामे की खबर मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई। उन्होंने दोनों पक्षों के आठ घायल लोगों को अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की गई। इस अशांति के मद्देनजर संदेशखाली थाने के ओसी बालया घोष ने कहा कि घटना के सिलसिले में दोनों पक्षों के कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

स्वास्थ्य साथी कार्ड पर इलाज से इंकार, निजी अस्पताल की लापरवाही से मचा हड़कंप

हावड़ा, समाज्ञा : उत्तर हावड़ा के एक निजी अस्पताल में स्वास्थ्य साथी कार्डधारी मरीज के साथ लापरवाही का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि मरीज को भर्ती करने के बावजूद तीन दिनों तक बिना ऑपरेशन के छोड़ दिया गया। मरीज का कहना है कि उसे बेड पर ही धमकाया गया और अस्पताल कर्मियों ने यहां तक कह दिया, स्वास्थ्य साथी कार्ड क्यों लाए? यहां इलाज के लिए पैसे लगते हैं। इस अमानवीय व्यवहार की खबर मिलते ही उत्तर हावड़ा के विधायक गौतम चौधरी तुरंत अस्पताल पहुंचे और कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई। विधायक ने इस घटनाक्रम को गंभीर बताते हुए स्वास्थ्य विभाग में शिकायत दर्ज कराने की बात कही है।

प्रशासन की पहल से एचआईवी संक्रमित छात्र स्कूल लौटा

हुगली : हुगली जिले के गोघाट गांव में सामाजिक भेदभाव का सामना कर रहे एचआईवी संक्रमित दंपति के आठ वर्षीय बेटे को अंततः प्रशासन की पहल से दोबारा स्कूल में प्रवेश मिल गया। पिछले डेढ़ महीने से यह बच्चा गांव के प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाई से वंचित था, क्योंकि स्थानीय लोगों में एचआईवी को लेकर भय और भ्रांतियाँ फैली हुई थीं।

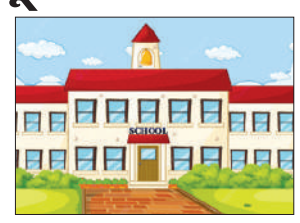

हालांकि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य अधिकारियों ने पहले भी कई बैठकें कर समस्या को सुलझाने की कोशिश की थी, लेकिन तब तक समाधान नहीं निकल पाया था। अंततः जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने मिलकर बच्चे को उसके घर से स्कूल तक पहुँचाया।

अधिकारियों ने स्कूल के शिक्षकों और अन्य अभिभावकों को यह समझाया कि एचआईवी कोई छूने से फैलने वाली बीमारी नहीं है और संक्रमित व्यक्ति के साथ सामान्य व्यवहार से संक्रमण नहीं फैलता। विस्तृत चर्चा के बाद सभी लोग बच्चे को स्कूल आने देने के लिए सहमत हो गए।

प्रशासन का यह कदम सामाजिक जागरूकता और संवेदनशीलता की दिशा में एक सराहनीय पहल के रूप में देखा जा रहा है।

नदिया में दो बांग्लादेशी घुसपैठिए और एक भारतीय दलाल गिरफ्तार

- **भारतीय सीमा में दाखिल होकर मुंबई जाने की थी योजना, पुलिस ने मंसूबा किया नाकाम**

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले में सीमा पार से घुसपैठ की एक और कोशिश को पुलिस ने नाकाम करते हुए दो बांग्लादेशी नागरिकों और एक भारतीय दलाल को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई धानतला थाना अंतर्गत आरंघाटा इलाके में एक विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि दो बांग्लादेशी महिलाएं एक दलाल की मदद से भारतीय सीमा में घुस आई हैं और स्थानीय क्षेत्र में छिपी हुई हैं। इसके बाद, धानतला थाने की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियान चलाया और तीनों को एक साथ पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में भारतीय नागरिक की पहचान तपन दास के रूप में हुई है, जबकि बांग्लादेशी महिलाओं के नाम आयशा बीबी और यासमीन बीबी बताए गए हैं। पूछताछ में सामने आया कि वे मुंबई जाने की योजना बना रहे थे। शनिवार को तीनों आरोपियों को रानाघाट न्यायिक अदालत में पेश किया गया। वहीं, पुलिस अब इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश में भी जुट गई है और आगे भी ऐसे घुसपैठ प्रयासों को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने की तैयारी कर रही है।

परिवारिक विवाद में एक महिला ने कुल्हाड़ी से वार कर अपनी जेठानी की हत्या की

हावड़ा, समाज्ञा

हावड़ा के श्यामपुर थाना क्षेत्र में परिवारिक विवाद के चलते एक महिला ने अपनी जेठानी की हत्या कर दी। मृतक का नाम संजू दलुई (43) है। यह घटना श्यामपुर थानांतर्गत दक्षिणपाड़ा इलाके की है।

जानकारी के अनुसार, बिमल और काणू दलुई, दो भाइयों के बीच लंबे समय से झगड़ा चल रहा था और इन दोनों के परिवारों के बीच भी तनाव था। शनिवार को दोनों बहुओं के बीच भी विवाद बढ़ा, जो जल्द ही हाथापाई में बदल गया। इस दौरान, आरोपी महिला आरती ने घर में रखी कुल्हाड़ी से संजू पर ताबड़तोड़ हमला किया। संजू खून से लथपथ घटनास्थल पर गिर पड़ी। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और संजू को कमलपुर ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हमला करने के बाद, आरती को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। श्यामपुर थाने की पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने संजू के शव का पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुंबई में प्राचीन जैन मंदिर तोड़े जाने पर कोलकाता जैन समाज की 23 अप्रैल को विरोध रैली

कोलकाता, समाज्ञा : मुंबई में स्थित एक 30 वर्ष पुराना प्राचीन जैन मंदिर तोड़े जाने की घटना ने कोलकाता के जैन समाज में गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है। समाज के विभिन्न वर्गों ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की कड़ी निंदा की है और इसे धार्मिक भावना पर आघात बताया है। जैन समाज की स्पष्ट मांग है कि मंदिर को उसी स्थान पर यथाशीघ्र पुनर्निर्मित किया जाए और सरकार तुरंत प्रभाव से आदेश जारी कर निर्माण कार्य शुरू कराए। इस मुद्दे पर अपनी मांगों को लेकर कोलकाता जैन समाज ने 23 अप्रैल 2025 को एक विशाल प्रतिवाद रैली का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इस रैली के माध्यम से समाज सरकार से अपील करेगा कि मंदिर तोड़ने की इस घटना में दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी हो और मंदिर के पुनर्निर्माण का कार्य बिना किसी देरी के शुरू किया जाए।

कोलकाता और उसके उपनगरों के जैन समाज के प्रमुख नेता इस आंदोलन में भाग लेंगे। इनमें धर्मेन्द्र जैन, निर्मल जैन बिंदायका, रजेंद्र जैन, रतन दुगड़, प्रदीप पटुआ, चंद्रेश मेधाणी (रोमी), नरेंद्र बडिया, दिनेश गंगवाल, बिनोद संचेती, बुद्धमल लूनिया, अजय भंसाली, कमल दुगड़, तुलसी दुगड़, विजय बावलिया, रमेश सरावगी, जसबीर सेठ, राजकुमार सेठी, सर्वेश पाटनी, दीपक पाटनी, सुमित बगड़ा, अनत जैन, विशाल जैन, मनीष जैन बाली, मनोज पी.एम., सुनील पहाड़िया, संजय काला (हिंदमोटर), विनोद काला, महेंद्र पाटनी, सौरव जैन, रोशन जैन, सनत जैन, सुदीर जैन, राजेश छाबड़ा, ललित सरावगी, महावीर सरावगी, राकेश पाटनी, दीपक सेठी, महेंद्र पांड्या, निरंजन कास-लीवाल आदि प्रमुख हैं। सकल जैन समाज की ओर से दिनेश जैन गंगवाल ने इस बारे में जानकारी दी और सभी जैन भाई-बहनों से आह्वान किया है कि वे इस रैली में बढ़-चढ़कर भाग लें और एकजुट होकर अपनी धार्मिक आस्था, विरासत और अधिकारों की रक्षा करें।

गार्डेनरीच फ्लाईओवर पर बेकाबू होकर वाहन पलटी, नाबालिग की मौत व चार घायल

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर के साउथ पोर्ट थाना इलाके में बेकाबू होकर वाहन चलाने की घटना में फिर एक नाबालिग की जान चली गई। मृतक की पहचान शुभम दास (17) के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार, उक्त घटना शुक्रवार की रात लगभग 10.10 बजे गार्डेनरीच फ्लाईओवर पर घटी। घटना में कुल पांच लोग घायल हुए जिनमें एसएसकेएम अस्पताल में ले जाने पर डाक्टरों ने शुभम दास को मृत करार दिया। पुलिस के अनुसार, इस दिन, गार्डेनरीच फ्लाईओवर पर एक निजी कार तेज रफ्तार में रेलिंग से टकराई और फिर पलट गई। अधिकांश घायल और मृतक नाबालिग हैं।

कहा जा रहा है कि कार गार्डेनरीच के पहाड़पुर निवासी रोहित अग्रवाल (25) चला रहा था। जबकि, अन्य घायल जय दास (18), सूर्य प्रधान (19) व रियो सुरेश (16) हैं। हादसे के शिकार सभी युवक व किशोर गार्डेनरीच के पहाड़पुर व संतोषपुर के निवासी बताये गए है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सभी हादसा ग्रस्त लोग कार से चाय पीने के लिए निकले थे कि घटना घटी।

वाम दलों के ब्रिगेड मंच की रूपरेखा में बदलाव, क्या भाषण देंगी मीनाक्षी? टकराव अभी भी जारी

कोलकाता : रविवार को वाम दलों से जुड़े किसान, श्रमिक और खेत मज़दूर संगठनों के संयुक्त ब्रिगेड रैली का आयोजन होने जा रहा है। लेकिन इस बार खुद वाम दलों के भीतर ही रैली की भीड़ को लेकर आशंका बनी हुई है।

ब्रिगेड के मंच से मुख्य रूप से वही नेता भाषण देंगे जो इन संगठनों से जुड़े हैं, परंतु वे आम जनता के बीच बहुत ज्यादा परिचित चेहरा नहीं हैं। बान्या टुडू, निरापद सरदार और अनादी साहू जैसे नेता इस बार के मुख्य वक्ता होंगे। मंच पर एकमात्र प्रसिद्ध चेहरा होंगे सीपीएम के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम।

इस बीच, सवाल बना हुआ है कि क्या डीवाईएफआई (डीवाईएफआई) की राज्य सचिव और सीपीएम की नई केंद्रीय समिति की सदस्य

मीनाक्षी मुखर्जी को भी मंच से बोलने का मौका मिलेगा या नहीं। उनके भाषण को लेकर अभी भी पार्टी में मतभेद बना हुआ है।

शनिवार शाम को वामपंथी दलों के शीर्ष नेताओं ने मैदान पहुंच कर तैयारियों का जायजा लिया। इस बार के ब्रिगेड मंच की बनावट में भी बदलाव देखा गया। मंच पहले की तुलना में कुछ छोटा रखा गया है और उसकी दिशा भी बदली गई है। पिछले बार मंच था पार्क स्ट्रीट की ओर, लेकिन इस बार फिर से विक्टोरिया हाउस की ओर मंच बनाया गया है, जैसा कि पहले के वर्षों में होता था।

मंच की लंबाई 48 फीट और चौड़ाई 32 फीट है, यह एक त्रिस्तरीय मंच है, जिसके बीच में एक पोडियम बनाया गया है, जहां से नेता भाषण देंगे। मंच के चारों ओर माइक लगाए जा रहे हैं, जिससे आस-पास की पूरी ब्रिगेड ग्राउंड में मौजूद लोग भाषण सुन सकें। शनिवार की शाम तक माइक लगाने का काम जारी रहा।

इस बार के आयोजन में भीड़ जुटाना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, और पार्टी के अंदरूनी सूत्र भी इसे लेकर आश्वस्त नहीं हैं। अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या मीनाक्षी मुखर्जी को अंततः मंच से बोलने का मौका दिया जाएगा या नहीं।

कलकत्ता हाई कोर्ट देश में 17वें स्थान पर, 'इंडिया जस्टिस रिपोर्ट' की समीक्षा

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय ने हाल ही में कई महत्वपूर्ण आदेश जारी किए हैं। खासकर, राज्य में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर एक के बाद एक फैसले सामने आ रहे हैं। हालांकि, मुकदमों की लंबाई के मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय देश के सभी उच्च न्यायालयों से पीछे है। देश का सबसे पुराना यह न्यायालय 18 उच्च न्यायालयों में 17वें स्थान पर है। हाल ही में, टाटा ट्रस्ट द्वारा तैयार 'इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025' प्रकाशित की गई। उस सर्वेक्षण में सामने आई जानकारी के आधार पर कलकत्ता उच्च न्यायालय को यह स्थान दिया गया है। न केवल न्यायिक व्यवस्था के संदर्भ में, बल्कि पुलिस, जेल, कानूनी सहायता और न्यायिक व्यवस्था - इन चार क्षेत्रों के संदर्भ में भी पश्चिम

बंगाल देश के सभी राज्यों में अंतिम स्थान पर है। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण भारत के राज्यों ने शीर्ष पांच स्थान हासिल किये हैं। कर्नाटक चार मानदंडों में देश में प्रथम स्थान पर है। 2025 की रिपोर्ट में कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु सभी विषयों में अच्छे अंक प्राप्त कर शीर्ष पांच में रहे। कर्नाटक का स्कोर 6.78 है, जबकि पश्चिम बंगाल का स्कोर केवल 3.63 है। पश्चिम बंगाल से ठीक ऊपर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड हैं।

शिक्षक भर्ती घोटाले और मुर्शिदाबाद हिंसा के विरोध में हावड़ा में बीजेपी का प्रदर्शन

हावड़ा : शिक्षक भर्ती में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा में तीन लोगों की मौत के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को हावड़ा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी) के कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। सुबह से ही पुलिस ने एसपी कार्यालय को गार्ड रेल लगाकर घेर लिया था और मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तथा रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) को तैनात किया गया था। इसके बावजूद बीजेपी कार्यकर्ता मिचल निकालते हुए एसपी ऑफिस की ओर बढ़ने की कोशिश करते रहे।

पुलिस द्वारा रोके जाने पर बीजेपी कार्यकर्ता 116 नंबर राष्ट्रीय

राजमार्ग के सर्विस रोड पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। प्रदर्शन को देखते हुए पूरे इलाके में कड़ी पुलिस सुरक्षा के इंतज़ाम किए गए थे।

इस प्रदर्शन को लेकर इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना रहा। बीजेपी नेताओं ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार और प्रशासन इस घोटाले में शामिल लोगों को बचाने की कोशिश कर रहा है और आम जनता के सवालों से भाग रहा है।

खड़गपुर में कारखाने में भूस्खलन में दबकर दो ठेका श्रमिकों की मौत, मुआवजे की मांग पर भारी प्रदर्शन

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के खड़गपुर ग्रामीण थाना अंतर्गत चांगुयाल इलाके में शनिवार की सुबह एक धातु कारखाने में भूस्खलन में दबकर दो ठेका श्रमिकों की मौत हो गई। घटना से नाराज अन्य श्रमिकों ने तुरंत विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिसके कारण पूरा क्षेत्र दिनभर गर्म रहा। मृतकों की पहचान तापस जाना (40) और राहुल मिद्या (27) के रूप में की गई हैं। तापस का घर पूर्व मेदिनीपुर जिले के चांडीपुर इलाके में है, जबकि राहुल पश्चिम मेदिनीपुर जिले के शालबोनी थाना के गोडापियाशाल इलाके का निवासी है। बताया गया है कि चांगुयाल क्षेत्र में फैक्ट्री की यूनिट संख्या 6 के विस्तार का कार्य चल रहा है। इस दिन, तापस जाना और राहुल मिद्या अन्य श्रमिकों के साथ नींव बनाने का काम कर रहे थे। उसी समय तापस और राहुल अचानक जमीन पर गिर पड़े। कई प्रयासों के बावजूद शेष श्रमिक उन्हें बचाने में असफल रहे। इसके बाद, श्रमिकों ने कार्यस्थल पर सुरक्षा और दोनों मृतकों के परिवारों के लिए उचित मुआवजे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। तनाव की खबर पाकर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो स्थिति और भी अधिक गरम हो गई। शेष श्रमिकों ने शव को निकालने से रोक दिया। देर शाम फैक्ट्री अधिकारियों के साथ बातचीत में जटिलताओं का समाधान कर लिया गया। बताया जा रहा है कि प्रदर्शनकारी श्रमिकों ने फैक्ट्री अधिकारियों द्वारा लंबे विलंब के बाद घोषित मुआवजे की राशि पर संतोष व्यक्त किया है। इसके बाद, दोनों शवों को बरामद कर खड़गपुर उपजिला अस्पताल ले जाया गया।

ब्रिगेड सभा को लेकर प्रशासन सख्त, तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

- **वामपंथी दल आठ स्थानों पर छोटे और बड़े जुलूस निकालेंगे, 2,500 पुलिस कर्मी की तैनाती**

कोलकाता, समाज्ञा : आज वामपंथ के ब्रिगेड सभा को लेकर राज्य प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। सूत्रों के अनुसार, कोलकाता पुलिस ने ब्रिगेड के चारों ओर तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है। लालबाजार सूत्रों के अनुसार, रविवार को उस इलाके में करीब 2,500 पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे। वामपंथी दल सियालदह और हावड़ा स्टेशन, पार्क सर्कस मैदान, खिदिरपुर मोड़, विक्टोरिया हाउस और एक्साइड मोड़ सहित आठ स्थानों पर छोटे और बड़े जुलूस निकालेंगे और ब्रिगेड मैदान की ओर बढ़ेंगे। इसके अलावा, शहर के विभिन्न हिस्सों से कई छोटे जुलूस आने की भी उम्मीद है। परिणामस्वरूप, भले ही आज छुट्टी का दिन हो, इस रैली के कारण पूरे शहर में यातायात जाम हो सकता है। इन सभी इलाकों में कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ यातायात अधिकारियों को तैनात किया जा रहा है। लालबाजार यातायात विभाग के उच्च पदस्थ अधिकारियों के साथ-साथ अन्य पुलिस अधिकारी भी यातायात को सुचारू रखने तथा सुरक्षा उद्देश्यों के लिए मैदान पर मौजूद रहेंगे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वामपंथी समर्थक मुख्य रूप से हावड़ा स्टेशन, ब्रेबोर्न रोड, रवींद्र सरणी, बेंटिक स्ट्रीट और धर्मतला होते हुए ब्रिगेड तक जाएंगे। इसके अतिरिक्त रैली में आने वाले पार्टी कार्यकर्ता सियालदह से एजेसी बोस रोड, एसएन बनर्जी रोड, धर्मतला होते हुए ब्रिगेड जाएंगे। और इसके चलते चित्तरंजन एवेन्यू, आशुतोष मुखर्जी रोड, रेड रोड, पार्क स्ट्रीट, जवाहरलाल नेहरू रोड, एजेसी बोस रोड और सीआईटी जैसी महत्वपूर्ण सड़कों पर पुलिस पिकेटिंग रहेगी। सुरक्षा के लिए ब्रिगेड ग्राउंड पर सीपी और डीसी रैंक के अधिकारी मौजूद रहेंगे। ब्रिगेड रैली के लिए सभा परिसर में 6 इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी, 12 सब-इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी, 12 सहायक सब-इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी, 80 पुलिस कर्मी तथा 15 महिला पुलिस अधिकारी मौजूद रहेंगे। ब्रिगेड रैली के लिए शहर में 7 पिकेट बनाए गए हैं। वहां 12 सहायता बूथ और एक एम्बुलेंस भी होगी।

राणी जी की बावड़ी, बूँदी, राजस्थान

हमारी अनजानी धरोहर 66

डॉ. एस. के. सैनी

आपने अहमदाबाद में स्थित अदलाज मे बावड़ी और पाटन मे रानी की बाव का तो नाम बहुत कुछ सुना होगा। एक रानी जी की बावड़ी बूंदी जिले के बूंदी शहर में स्थित है।यह बावड़ी शहर के बीचो-बीच में स्थित है और यहीं पर बूंदी राज्य के चारण महाकवि सूर्यमल मिश्रण की प्रतिमा भी लगी हुई है।

शाही तोरणों से अलंकृत किया रानी जी की बावड़ी अपने आप में अद्भुत है और यह दो स्तर पर नीचे उतरी हुई सीढ़ियों और बरामदो से बनाई हुई है बूंदी स्थित रानी जी के बावड़ी का निर्माण बूंदी के राव राजा अनिरुद्ध सिंह की पत्नी महारानी नाथावत जी ने अपने पुत्र बुद्ध सिंह के कार्यकाल में लगभग 1700 ईस्वी में निर्माण करवाया था तब से यह रानी जी की बावड़ी के नाम से ही प्रसिद्ध है तब उसे समय इसमें लबालब पानी भरा रहता था अब पानी के स्तर में कमी आ गई है।अंदर सफाई व्यवस्था उतनी नहीं रह गई है किंतु फिर भी तोरणों का अलंकरण और संगमरमर पर देवत-ाओं की आकृतियां जिसमें की लक्ष्मी सरस्वती गणेश नदी की प्रतिमाएं ऊकेरी गई हैं नंदी के प्रतिमा तो वहां रखी भी हुई है। ऊपर से ढकी हुई है रानी जी की बावड़ी इतनी अद्भुत लगती है कि इसमें

बाहर से किसी भी तरह की हवा या मिट्टी का प्रवेश नहीं हो सकता।

रानी जी की इस बावड़ी के दो दरवाजे हैं और दोनों दरवाजों पर ऊपर 88 खभों की दो छतरियां लगी हुई हैं इन छतरियां के नीचे जो सीढ़ियां शुरू होती है कुल सो सीढ़ियां हैं इस बावड़ी में। आप उतर जाए उतरते जाते हैं उतरते जाते हैं तब जाकर कहीं नीचे जाकर के पानी को छू पाते हैं।

इस बावड़ी में दोनों और संगमरमर के जो पैनल लगे हुए हैं उसमें वराह अवतार,कच्छप अवतार, गजेंद्र मोक्ष और भगवान विष्णु के कुछ अन्य रूपों की भी प्रतिमाएं ऊकेरी गई हैं। मेहराबों की सुंदरता,तोरणों की सुंदरता देखते ही बनती है।आज करीब 330 सौ वर्षो के पश्चात भी यह बावड़ी अपने आप में एक अद्भुत दर्शनीय स्थल है जिसको भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने सहेज कर रखा हुआ है।

भवानीपुर कॉलेज में 'बॉनफायर'25' का सफल आयोजन, समय और प्रतिभा का अद्भुत संगम

कोलकाता, समाज्ञा : भवानीपुर एजुकेशन सोसाइटी कॉलेज के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की इंटर-कॉलेज मैनेजमेंट फेस्ट 'बॉनफायर'25 का समापन 5 अप्रैल को बड़े ही भव्य और सफल रूप में हुआ। 3 से 5 अप्रैल तक आयोजित इस फेस्ट में देशभर के 40 से अधिक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों, जैसे बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, आईआईएम बोधगया, सेंट जेवियर्स यूनिवर्सिटी, स्कॉटिश चर्च कॉलेज और सेंट जेवियर्स कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस वर्ष की थीम 1960.2060-द व्हील ऑफ टाइम के अंतर्गत प्रतिभागियों को समय के बदलाव के साथ व्यापारिक विचारों के विकास की कल्पना करने का अवसर मिला। इस अवसर पर विभाग की त्रैमासिक न्यूजलेटर 'सिनर्जी' के पहले अंक का भी विमोचन किया गया। इस फेस्ट की सफलता का श्रेय छात्र नेतृत्व को जाता है, जिसमें अध्यक्ष गजल सराओगी और उपाध्यक्ष प्रियान्शु चटर्जी के निर्देशन में छात्र टीम ने संकल्पना से लेकर आयोजन की हर बारीकी पर ध्यान देते हुए फेस्ट को एक अविस्मरणीय अनुभव में बदल दिया। विभागाध्यक्ष डॉ. त्रिदीब सेनगुप्ता के मार्गदर्शन में इस आयोजन ने न केवल प्रतिस्पर्धा का अवसर दिया, बल्कि छात्रों को व्यावहारिक, शैक्षणिक और नेतृत्व विकास का एक व्यापक मंच प्रदान किया।

लोक कथा: चीटियां भारी बोझ क्यों ढोती है

डॉ.मंजरी शुक्ला

बहुत समय पहले की बात हैं। अनानसी और उसका बेटा कवेकू दोनों बहुत ही चतुर किसान थे। उन दोनों के खेत अलग-अलग थे और हर साल उनमें लहलहाती फसल होती थी। पर एक साल अचानक ना जाने क्या हुआ कि सबसे अच्छे बीज बोने के बावजूद भी बारिश नहीं होने की वजह से उनके खेत में कुछ भी नहीं उग सका।

अपने खेत को देखकर दोनों बहुत दुखी हुए। एक रोज उदास कवेकू अपने सूखे खेत में यहाँ वहाँ घूम रहा था और अपने आने वाले सालों की चिंता करते हुए अन्न के बारे सोच रहा था कि तभी उसने अपने खेत की मेड़ पर एक कुबड़े बौने को बैठे हुए देखा। बौने ने कवेकू से उदास होने का कारण पूछा और कवेकू के बताने पर बौने बोला - मैं तुम्हारे खेत में बारिश लाने में तुम्हारी मदद जरूर करूँगा। उसने कवेकू से कहा - तुम कहीं से जाकर से दो छोटी लकड़िया ले आओ और उन्हें मेरे कूबड़ पर ढ़ोल की तरह बजाओ।

कवेकू ने बौने के कहे अनुसार दो छोटी लकड़ियाँ ली और उन्हें धीरे धीरे बौने की पीठ पर बजाया और उसके बाद वे दोनों गाने लगे :

पानी, पानी ऊपर जाओ;
बारिश बनकर नीचे आओ!

और उनके गाते ही गाते ज़ोरदार बारिश होने लगी और खेत की मिट्टी ने पूरे पानी को सोख लिया। यह देखकर कवेकू ख़ुशी के मारे उछल पड़ा। अगले ही दिन बीजों से अंकुर फूट पड़े और बढ़िया फसल होने लगी।

अनानसी को जल्दी ही कवेकू के खेत में बहुत अच्छी फसल होने की खबर मिल गई। उसने सोचा - मेरा तो सारा खेत सूखा ही पड़ा हुआ हैं, मुझे तुरंत जाकर मालूम करना चाहिए कि उसके खेत में इतनी अच्छी फसल भला कैसे उगी ?

और यह सोचते हुए वह कवेकू के पास गया और उसने कवेकू से बारिश होने का कारण पूछा। कवेकू का मन बहुत साफ़ था और इसलिए उसने अपने और कुबड़े बौने वाली बात अपने पिता को तुरंत बता दी।

अनानसी ने भी उसी तरह से अपने खेत में पानी लाने का निश्चय किया ख वह कहीं से जाकर दो मोटी लकडियाँ उठा लाया और सोचने लगा - मेरे बेटे ने कुबड़े बौने की पीठ पर छोटी लकड़ियाँ मारी तो उसके खेत में इतनी अच्छी फसल हुई इसलिए मैं तो कुबड़े की पीठ पर मोटी -मोटी लकड़ियाँ मारकर उससे दुगनी बारिश करवाऊँगा।

वो भी अपने खेत में जाकर यहाँ वहाँ टहलने लगा। जब उसने कुबड़े बौने को अपनी ओर आते देखा तो उसने बड़ी सावधानी से दोनों लकड़ियाँ एक ओर छुपा दीं। पहले की तरह कुबड़े बौने ने अनानसी से उदास होने का कारण पूछा और अनानसी ने उसे अपनी सारी समस्या जरुरत से ज्यादा दुखी होते हुए बता दी।

कुबड़े ने उससे कहा - कहीं से दो छोटी छोटी लकड़ियाँ ले आओ और उन्हें मेरे कूबड़ पर ढोल की तरह बजाओ। मैं बारिश को बुला दूँगा और फिर तुम्हारी फसल भी लहलहा उठेगी।

लेकिन अनानसी ने कुबड़े की बात पर ध्यान ना देते हुए अपनी मोटी-मोटी लकड़ियाँ निकाल लीं और उसने कुबड़े बौने को इतनी जोर से पीटना शुरू किया कि बेचारा बौना मर गया। अनानसी यह देखकर बहुत डर गया क्योंकि उसे मालूम था कि बौना वहाँ के राजा का चहेता जोकर था। वह सोचने लगा कि इस घटना का दोष वह किसके मत्थे मढ़े। उसने बौने का मृत शरीर उठाया और उसे एक कोला के पेड़ के पास ले गया। उसने मृत बौने को पेड़ की सबसे ऊपरी शाखा पर बिठा दिया और पेड़ के नीचे बैठकर किसी के आने की प्रतीक्षा करने लगा।

इस बीच कवेकू यह देखने के लिए आया कि उसने पिता को बारिश कराने में सफल हुए या नहीं। जब उसने अपने पिता को पेड़ के नीचे अकेले बैठे देखा तो उनसे पूछा - पिताजी, आप यहाँ अकेले क्यों बैठे हुए हैं? क्या आपको कुबड़ा बौना नहीं मिला?

अनानसी ने कहा - मिल तो गया। लेकिन वह पेड़ पर चढ़कर कोला लेने गया है और मैं उसकी यहाँ बैठकर प्रतीक्षा कर रहा हूँ।

मैं ऊपर चढ़कर उसे नीचे ले लाता हूँ - कवेकू ने कहा और वह फ़ौरन पेड़ पर चढ़ गया। पेड़ के ऊपर जाकर उसने जैसे ही बौने को छुआ, बौना धड़ाम से नीचे गिर गया।

अरे, ये तुमने क्या कर दिया! - दुष्ट अनानसी गुस्से से चिल्लाया - तुमने राजा के चहेते जोकर को मार डाला।

हाँ , मैंने कुबड़े बौने को मार डाला। - कवेकू ने कहा क्योंकि अब तक वह अपने पिता की चाल को समझ चुका था इसलिए वह बड़े ही शांत स्वर में बोला - राजा कुबड़े बौने से बहुत नाराज़ है और उसने उसे मारने वाले को एक थैली सोना देने की मुनादी की है। मैं अब जाकर राजा से अपना ईनाम लूँगा। नहीं! नहीं! - अनानसी चिल्लाया - ईनाम मैं लूँगा! मैंने उसे दो मोटी लकड़ियों से पीटकर मारा है। उसे मैं राजा के पास ले जाऊंगा।

ठीक है, जैसी आपकी इच्छा। - कवेकू बोला - अगर आपने उसे मारा है तो आप ही ले जाओ।

ईनाम मिलने के लालच में अनानसी बौने की लाश को ढोकर ले गया। राजा अपने प्रिय बौने की मृत्यु के बारे में जानकर बड़ा क्रोधित हुआ। उसने बौने की लाश को एक बड़े बक्से में बंद करके यह आदेश दिया कि अनानसी सजा के रूप में उस बक्से को हमेशा अपने सर के ऊपर ढोएगा। राजा ने बक्से पर ऐसा जादू-टोना करवा दिया कि बक्सा कभी भी जमीन पर ना उतारा जा सके। अनानसी उस बक्से को किसी और के सर पर रखकर ही उससे मुक्ति पा सकता था और कोई भी ऐसा करने को राज़ी नहीं था। अनानसी उस बक्से को अपने सर पर दिन रात ढोते-ढोते दुहरा सा हो गया। एक दिन उसे रास्ते में उसे एक चींटी मिली। अनानसी ने चींटी से कहा - क्या तुम कुछ देर के लिए इस बक्से को अपने सर पर रख लोगी? मुझे बाज़ार जाकर कुछ ज़रूरी सामान खरीदना है।

चींटी ने अनानसी से कहा - अनानसी, मैं तुम्हारी सारी चालाकी समझती हूँ। तुम इस बक्से से छुटकारा पाना चाहते हा। नहीं, नहीं. ऐसा नहीं है , मैं सच कह रहा हूँ कि मैं जल्द ही वापस आ जाऊँगा और तुमसे ये बक्सा ले लूँगा! - अनानसी बोला

बेचारी भोली-भाली चींटी ने पता नहीं क्या सोचकर अनानसी से वह बक्सा अपने सर पर रखवा लिया। अनानसी वहाँ से जाने के बाद फिर कभी भी लौटकर वापस नहीं आया। चींटी ज़िन्दगी भर उसकी राह देखती रही और एक दिन वह मर गई। उसी चींटी की याद में आज भी सारी चींटियाँ अपने शरीर से भी बड़े और भारी बोझ ढोती रहती हैं और अनानसी की दुष्टता को याद करती हैं।

शाम

प्रिंस झा

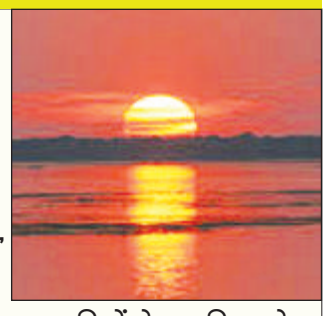

शाम को उजले चांद के नीचे,
दुनिया के दौड़,भाग से पीछे,
कुल्हड़, जो मिट्टी से सींचे,
उसकी चाय का क्या कहना?

शाम को जो रंगीन बनाए,
एक साथ मिल बैठ के खाए,
लगे हाथ कुछ सीख सिखाए,
उन बहन भाई का क्या कहना?

जीवन का संग्राम भूलकर,
मान अपमान का खेल भूलकर,
मित्रों के महफिल से जुड़कर,
उस हंसी मजाक का क्या कहना?

पवनो का संवाद मिले जब,
मन में कोई याद खिले जब,
हाथ में एक किताब मिले जब,
तब उस शाम का क्या कहना?

अनजानी राहों के रंग

त्रिलोक नाथ पांडेय

सलेमपुर गाँव में सर्दियों की सुबह अपने पूरे शबाब पर थी। गंगा किनारे बसा यह छोटा सा गाँव कोहरे की चादर में लिपटा हुआ था। ठंडी हवा पेड़ों के पत्तों को हल्के से सहला रही थी। गाँव के स्कूल में सुबह की प्रार्थना शुरू होने वाली थी। हिंदी के अध्यापक जगत अपने पिताजी की पुरानी साइकिल पर स्कूल की ओर बढ़ रहे थे। उनके कंधे पर एक झोला लटक रहा था, जिसमें कुछ किताबें और एक मोटी डायरी थी। वह अपनी पत्नी से बोले, कमला, आज बच्चों को हिंदी में कुछ नया सिखाऊँगा। शब्दों से उनके मन में चमक जगानी है।

कमला ने मुस्कुराते हुए कहा, तुम हर दिन यही कहते हो। जाओ, देर मत करना। जगत अपने पिताजी की पुरानी साइकिल चलाते हुए स्कूल पहुँचे, यह सोचे बिना कि उनका एक छोटा-सा प्रयास किसी की जिंदगी को कितना बदल सकता है।

स्कूल के एक कोने में, कक्षा सात की छात्रा श्यामा अपनी किताबों को संभाल रही थी। उसके पिता बीमार थे, और घर में दवाइयों के लिए पैसे नहीं थे। वह अपनी सहेली रानी से बोली, रानी, बाबूजी की तबीयत ठीक नहीं है। स्कूल के बाद कुछ करना होगा।

रानी ने चिंता से पूछा, क्या करोगी, श्यामा? हमारे पास तो कुछ भी नहीं। तभी श्यामा को याद आया कि जगत सर ने पिछले हफ्ते हिंदी की कक्षा में एक पाठ पढ़ाया था-'अपने आसपास की चीज़ों से कुछ नया बनाना'। उसने रानी से कहा, सर ने कहा था कि साधारण चीज़ों से भी कमाल हो सकता है। चल, आज कोशिश करते हैं।

उस दिन छुट्टी के बाद, श्यामा ने स्कूल के पीछे पड़े एक टूटे मिट्टी के घड़े को उठाया। उसने घर जाकर उसे रंगों से सजाया-लाल और नीले रंग से फूल बनाए। अगले दिन वह उसे सलेमपुर के बाज़ार ले गई। एक दुकानदार ने उसे देखा और पूछा, यह घड़ा कितने का है, बेटी? श्यामा ने डरते-डरते कहा, जी, दस रुपये। दुकानदार ने कहा, बढ़िया काम है। ले लूँगा।

उस घड़े को दुकानदार ने अपनी दुकान में सजा दिया। कुछ दिनों बाद, एक शहर से आए चित्रकार ने उसे देखा। वह बोला, इस घड़े की सादगी में कुछ जादू है। उसने उसी से प्रेरणा लेकर एक चित्र बनाया, जो बाद में प्रदर्शनी में बिका और उसे प्रसिद्धि दिला गया।

इधर, श्यामा ने दस रुपये से अपने पिता की दवा खरीदी। उसने रानी से कहा, रानी, अब बाबूजी ठीक हो जाएँगे। यह घड़ा हमारे लिए वरदान बन गया। रानी ने पूछा, तुम सर को बताओगी? श्यामा ने मुस्कुराकर कहा, हाँ, जरूर। उनका एक हिंदी का पाठ मेरे लिए रास्ता बन गया।

अगले दिन श्यामा स्कूल में जगत सर के पास गई और बोली, सर, आपने जो हिंदी में पाठ पढ़ाया था, उससे मैंने एक घड़ा सजाया। उसी से पैसे मिले, और बाबूजी की दवा हो सकी। जगत ने गर्व से उसकी ओर देखा और कहा, श्यामा, यह तो तुम्हारी मेहनत का कमाल है। मैंने बस शब्दों का एक बीज बोया, फूल तुमने खिलाया।

लेकिन जगत को नहीं पता था कि उनका वह साधारण हिंदी का पाठ न सिर्फ श्यामा की जिंदगी में रोशनी लाया, बल्कि एक चित्रकार की कला को भी नई ऊँचाइयाँ दीं। अगली सुबह, वह फिर अपने पिताजी की पुरानी साइकिल पर स्कूल गए और कमला से बोले, कभी-कभी सोचता हूँ कि ये बच्चे मेरे हिंदी के पाठ से क्या सीखते होंगे। कमला ने कहा, तुम्हारे शब्द उनके लिए दीये जलाते हैं, तुम्हें क्या पता!

जीवन की यह अनजानी डोर अध्यापक और विद्यार्थी को एक-दूसरे से जोड़ती है। जगत का एक हिंदी का पाठ, श्यामा की मेहनत, और उसका असर-सब अनजाने में एक-दूसरे की जिंदगी में रंग भर गए। हम कभी नहीं जानते कि हमारे छोटे-छोटे कृत्य कब, कहाँ, और कैसे किसी की जिंदगी में परिवर्तन ला दें। जैसे सलेमपुर में एक टूटा घड़ा, एक हिंदी पाठ से प्रेरित होकर, कई जीवन को अनदेखे धागे से बाँध गया। सचमुच, हम कभी नहीं जानते कि हम किन जिंदगियों को प्रभावित करते हैं, या कब, या क्यों।

रेसिपी कार्नर: मसाला शिकंजी

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे गर्मी के मौसम में ठंडी चीजों का सेवन पसंद नहीं होगा। इस मौसम में बाजार से लेकर घरों तक में ऐसे पेय पदार्थ रखे रहते हैं, जिनके सेवन से शरीर को ठंडक मिलती है। बाजार में मिलने वाले पेय पदार्थों की वजह से कई बार तबियत खराब होने का डर रहता है। इसी वजह से लोग इसके सेवन से थोड़ा बचते हैं। लेकिन अब आपको बचने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हम घर पर ही आपको मसाला शिकंजी बनाने की विधि बताएंगे।

गर्मियों में शरीर को ठंडक देने और थकान दूर करने के लिए शिकंजी एक बेहतरीन देसी ड्रिंक है। यदि आप घर पर मसाला शिकंजी बनाएंगे तो इसमें किसी तरह का कोई केमिकल नहीं मिला होगा। ऐसे में आप बिना झिझके इसे पी सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं, कि घर पर मसाला शिकंजी कैसे बनाएं।

मसाला शिकंजी बनाने का सामान

- नींबू - 2
- पुदीना
- भुना जीरा पाउडर - ½ छोटा चम्मच
- काला नमक - ½ छोटा चम्मच
- सादा नमक - स्वादानुसार
- काली मिर्च पाउडर - 1 चुटकी
- चीनी - 1 से 1½ चम्मच

विधि

मसाला शिकंजी बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में नींबू का रस निकाल लें। रस निकालने के बाद इसमें से नींबू के बीजों को निकाल दें। इसके बाद मिक्सर में डालकर पुदीने को पीस लें।

जब पुदीना पिस जाए तो एक जग में पानी लेकर उसमें नींबू का रस डालें। इसके बाद इसमें पिसा हुआ पुदीना और चीनी डालकर मिक्स करें। इसे तब तक चलाएं, जब तक चीनी घुल न जाए।

जब ये पूरी तरह से घुल जाए तो इसे दूसरे बर्तन में छान लें, ताकि पुदीने के बचे हुए तत्व इसमें से निकल जाएं। अब बारी आती है इसमें अन्य सामान डालने की तो अब इसमें काला नमक, भुना जीरा पाउडर, काली मिर्च और नमक डालें।

सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद इसे थोड़ी देर के लिए फ्रिज में रख दें। सर्व करते समय बर्फ के टुकड़े डालें और ऊपर से थोड़े पुदीने के पत्ते सजाएं। बस अब आप इसे परोस सकते हैं।

आप भी बन सकती हैं अच्छी कुक

सुनीता गाबा

- सलाद काटने से पहले सब्जियां कुछ समय पहले फ्रीजर में रखें, फिर काटें। सलाद आसानी से और अच्छा कटेगा।
- दही बड़े बनाने के लिए पिसी हुई दाल में थोड़ी सी सूजी भी फेंट लें। बड़े अधिक नरम बनेंगे।
- दही की कढ़ी बनाते समय कढ़ी पत्ते या मीठे नीम का बघार दें। कढ़ी अधिक स्वादिष्ट बनेगी।
- उबले चावलों को खुशबूदार बनाने हेतु चावल उबालते समय एक तेज पत्ता डाल दें।
- रायते को अधिक स्वादिष्ट बनाने हेतु रायता बनाते समय दही में थोड़ा सा ठंडा दूध डालें। रायता खट्टा नहीं बनेगा।
- चाय बनाते समय चाय की पत्ती को पानी में अधिक देर तक न उबालें। देर तक उबले पानी की चाय का स्वाद अच्छा नहीं आता।
- भिंडी गलने के बाद थोड़ा दही या नींबू का रस मिलाकर भिंडी पकाने से अधिक स्वादिष्ट बनेगी।
- भरवां करेले में बचा हुआ आम के अचार का मसाला मिलाकर भरने से करेले स्वादिष्ट बनते हैं।
- सीताफल की सब्जी बनाते आम के अचार का बचा मसाला भून कर बनायें। सीताफल अधिक स्वादिष्ट बनेगा।
- नान बनाते समय उसमें थोड़ी सी अजवाइन डालें। नान स्वादिष्ट बनेंगे।
- भिंडी, पालक, मेथी, बथुआ आदि बिना ढके बनाएं। सब्जी का रंग हरा बना रहेगा।
- फ्राई अन्डे का स्वाद बढ़ाने के लिए तवे पर थोड़ा सा मक्खन और नमक अंडे से पहले डालें, फिर अंडा डालें।
- करी (तरी) का अच्छा रंग लाने के लिए मसाला भूनते समय थोड़े से पानी में मिर्च घोल कर डालें। रंग भी अच्छा आएगा और तीखापन भी कम लगेगा।
- पिज्जा को अधिक कुरकुरा बनाने के लिए पिज्जा बेस पर थोड़ा सा मक्खन या तेल लगा लें। (उर्वशी)

बोल्ड एंड ब्यूटीफुल 'लुक' देता है रेड कलर

पूनम दिनकर

लाल रंग का अपने आप में बहुत ही महत्त्व है। यह कलर प्योर, कूल, सैक्सी और फैशनेबल डिजाइनर तथा फैशनेबल लोगों के वॉर्डरोब का हिस्सा है। प्यार का एहसास लिए लाल रंग हर किसी को अपनी तरफ आकर्षित करता है। ऐसा कम ही होता है कि इस सैक्सी कलर पर किसी की नजर न ठहरे।

लाल रंग जो प्यार का एहसास दोगुना करता है, वहीं यह रॉयल कलर खुद अपनी इमेज को भी बयां करता है। डिजाइनर इस रंग को अपने कलेक्शन में खासतौर पर इस्तेमाल करते हैं। वेडिंग कलेक्शन में तो यह जान डाल देता है। एक अलग स्टाइल स्टेटमेंट लिए यह रंग कहीं न कहीं, किसी न किसी तरह से हमारी जिन्दगी का हिस्सा है।

अगर लाल रंग पसन्द में शामिल है तो उसका स्टफ भी राजसी होना चाहिए। सिल्क स्टफ पर यह रंग खूबसूरत और आकर्षक लगता है। अगर प्योर रेड से परहेज हो और रेड कलर ही पहनने की इच्छा हो तो सिर्फ लाल रंग न पहनकर दूसरे रंगों के साथ मिक्स और मैच करके पहना जा सकता है।

यह कलर बहुत हॉट कलर माना जाता है। अगर आप इसे ड्रेस के रूप में ट्राई करना नहीं चाहती तो हॉट दिखने के लिए इस कलर का बैग या नेकलेस भी ट्राई कर सकती हैं। आप प्योर रेड की जगह आप रेड को व्हाइट, ब्लैक या गोल्डन कलर के साथ मैच करके पहन सकती हैं।

आज के समय में कई इंटरनेशनल और नेशनल ब्रांड भी अपने कलेक्शन में इस रंग का खास इस्तेमाल कर रहे हैं।

लॉन्जरी में तो इस रंग का कोई जवाब ही नहीं। कई कंपनियों ने सिर्फ इसी रंग और इसके असर को ध्यान में रखकर डिजाइन्स तैयार किए हैं। इस रंग की प्रमुख खासियत यह है कि ये आपको बोल्ड और सैक्सी इमेज देता है। इस रंग की तारीफ भी खूब होती है किन्तु इस रंग को पहनने का जोश हर किसी में नहीं होता।

जो लड़कियां इस रंग के सैक्सी स्टाइल और लुक को समझती हैं, वही इस कलर की डेऋस को पहनती हैं। इस बोल्ड कलर के परिधान को पहनने का मजा जितना रात में है, उतना दिन में नहीं। दूसरी बात यह कि यह कलर इंडियन स्किन टोन के साथ एकदम मैच करता है। अगर आप भी बोल्ड एंड ब्यूटीफुल लगना चाहती हैं तो ट्राई करें हॉट एंड कूल रेड।

रेड कलर के परिधान के साथ मेकअप भी उसी तरह का ही होना चाहिए। स्मोकी आंखें, हल्के गुलाबी गाल और ग्लॉसी होंठ। ज्यूलरी का सलेक्शन भी सोच-समझकर ही करें। रेड कलर के साथ हैवी ज्यूलरी सूट नहीं करती। लाइट इयर रिंग्स या फिर सिंगल नेकलाइन ही इस कलर की डेऋेस के साथ खूब फबते हैं।

अगर आप भी अपने मित्रों के बीच में अपनी इमेज बनाना चाहती हैं या फिर किसी पार्टी की शान बनना चाहती हैं तो आप भी रेड डेऋस को ट्राई करके देख सकती हैं। (उर्वशी)

न्यूज इन ब्रीफ

बच्चे पर भौंकने पर कुत्ते को कार से तीन किलोमीटर तक घसीटा, आरोपी गिरफ्तार

नोएडा : नोएडा पुलिस ने शनिवार को बताया कि कुत्ते को कार से बांधकर तीन किलोमीटर तक घसीटने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। कुत्ते की मालकिन शोभा रानी की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, घटना बुधवार को ग्रेटर नोएडा के नयी बस्ती इलाके में हुई। शिकायत के मुताबिक अमित नामक व्यक्ति के 10 साल के बेटे ने गुजरते समय उसके पालतू (जर्मन शेफर्ड) पर पत्थर फेंका था, जिसके बाद कुत्ते ने लड़के पर भौंका तो वह गिर गया। शिकायत में कहा गया है कि इसके बाद अमित ने चार साल के कुत्ते को लाठियों से पीटा, उसे कार से बांधा और तीनकिलोमीटर तक घसीटा। रानी के पति ने पुलिस को बताया कि कुत्ता गंभीर रूप से घायल हो गया।

राजकोट में दो कारों की भिड़ंत में लगी आग से तीन लोगों की मौत, तीन घायल

राजकोट : गुजरात के राजकोट जिले में शनिवार शाम एक कार की एक अन्य चौपहिया वाहन से भिड़त के बाद आग लग गई जिसमें तीन लोगों की झुलसकर मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार में आठ लोग सवार थे। अधिकारी ने बताया कि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जबकि तीन वर्षीय एक बच्ची लापता है। अजी धाम पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि यह घटना राजकोट को भावनगर से जोड़ने वाले राज्य राजमार्ग पर स्थित सरधार गांव के पास हुई। उन्होंने बताया कि भिड़ंत में शामिल दोनों कारें आग लगने से क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने बताया, तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से झुलस गए जिन्हें बचा लिया गया। उन्हें राजकोट के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कर्नाटक में जनेऊ उतारने को कहने के आरोप में मामला दर्ज, दो होमगार्ड निलंबित

शिवमोगा (कर्नाटक) : कर्नाटक के शिवमोगा में सीईटी परीक्षा केंद्र आदिचुंचनगिरि पीयू कॉलेज में छात्रों से परीक्षा कक्ष में प्रवेश करने से पहले उन्हें 'जनिवार' (जनेऊ) उतारने के लिए कहने के आरोप में अधिकारियों के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा केंद्र पर तैनात दो होमगार्ड को इस सिलसिले में निलंबित कर दिया गया है, जिन्होंने छात्रों से जनेऊ उतारने को कहा था। यह मामला 'कर्नाटक ब्राह्मण सभा' के सदस्य नटराज भागवत की शिकायत के बाद शुक्रवार को दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115 (2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 299 (जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य, किसी भी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को उसके धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके अपमानित करने का इरादा), 351 (1) (आपराधिक धमकी), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और 3(5) (सामान्य इरादा) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दिल्ली पर पूरे भारत के मरीजों की सेवा करने की जिम्मेदारी है : मुख्यमंत्री

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि दिल्ली की जिम्मेदारी न केवल अपने निवासियों को बल्कि देशभर से यहां इलाज के लिए आने वाले लोगों को भी स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना है। रेखा ने दिल्ली स्थित 'इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज' (आईएलबीएस) द्वारा आयोजित विश्व यकृत दिवस कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में सुधार पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आईएलबीएस में एक एकीकृत यकृत पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन किया। स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और चिकित्सा प्रौद्योगिकी को उन्नत करने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गुप्ता ने कहा, ''यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि देश में कोई भी नागरिक स्वास्थ्य सेवा की कमी के कारण परेशान न हो।'' उन्होंने कहा, ''दिल्ली, राजधानी होने के नाते, केवल अपने निवासियों के इलाज तक ही सीमित नहीं रह सकती। पूरे भारत से मरीज यहां इलाज के लिए आते हैं।'' दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी विश्व यकृत दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवा में सुधार के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया और आयुष्मान भारत योजना जैसी केंद्रीय योजनाओं की प्रशंसा की, जो अब दिल्ली के लोगों के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा, ''हमारे बुजुर्ग, विशेषकर 70 वर्ष से अधिक आयु के लोग हमारी जिम्मेदारी हैं। उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारा कर्तव्य है।'' गुप्ता ने कहा कि देश में अंगदान के बारे में और अधिक जागरूकता की आवश्यकता है।

सोनिया और राहुल के खिलाफ आरोप पत्र षड्यंत्र, हम डरने वाले नहीं हैं: खरगे

नयी दिल्ली : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ 'नेशनल हेराल्ड' मामले में आरोपपत्र दाखिल किए जाने को शनिवार को षड्यंत्र करार दिया और कहा कि पार्टी इससे डरने वाली नहीं है। उन्होंने पार्टी के महासचिवों, प्रभारियों और अग्रिम संगठनों के प्रमुखों की बैठक में यह उम्मीद भी जताई कि वक्फ संशोधन अधिनियम मामले में उच्चतम न्यायालय में सरकार के खिलाफ विपक्ष की जीत होगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि 'उपयोग के कारण वक्फ' के साथ सरकार ने छेड़छाड़ की है ताकि वक्फ संपत्तियों को विवादों में घसीटा जा सके। खरगे ने पार्टी नेताओं का आह्वान किया कि अहमदाबाद अधिवेशन में पारित प्रस्ताव के संदेश को जिला, मंडल, ब्लॉक और बूथ तक पहुंचाना है। कांग्रेस ने यह बैठक सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी द्वारा आरोप पत्र दाखिल किए जाने की पृष्ठभूमि में आगे की रणनीति तय करने के लिए बुलाई थी। इस बैठक में प्रियंका गांधी वाद्रा समेत पार्टी के कई महासचिव, प्रदेश प्रभारी और कई अन्य नेता मौजूद थे। खरगे ने कांग्रेस नेताओं से कहा, आपने गौर किया होगा कि कैसे बड़े षड्यंत्र के तहत नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी जी और राहुल गांधी जी का नाम आरोप पत्र में डाल दिया गया है। पर किसी का भी नाम डाल दें हम डरनेवाले नहीं है।

जैन मंदिर ढहाने का मामला: बीएमसी ने वार्ड अधिकारी का तबादला किया

मुंबई : बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने शहर के विले पार्ले इलाके में स्थित एक जैन मंदिर को ढहाये जाने के बाद उठे विवाद के बाद शनिवार को एक सहायक नगर आयुक्त का तबादला कर दिया। जैन समुदाय के सदस्यों ने इस मुद्दे को लेकर दिन में एक विरोध मार्च निकाला। नगर आयुक्त भूषण गगरानी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि के-ईस्ट वार्ड के प्रभारी नवनाथ घाडगे को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित कर दिया गया है। के-ईस्ट वार्ड की एक टीम ने 16 अप्रैल को नेमिनाथ कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के अंदर स्थित एक जैन मंदिर को यह दावा करते हुए ढहा दिया था कि यह एक अनधिकृत ढांचा है। शनिवार को वार्ड कार्यालय तक एक विरोध मार्च निकाला गया। महाराष्ट्र गौशाला संघ के परेश शाह ने दावा किया कि धार्मिक नेताओं और महाराष्ट्र के मंत्री मंगल प्रसाद लोढ़ा, स्थानीय भाजपा विधायक पराग अलवानी और कुछ अन्य राजनीतिक नेताओं सहित 20,000 से अधिक लोगों ने मार्च में भाग लिया।

सेना ने गलवान, सियाचिन ग्लेशियर सहित पूरे लद्दाख में मोबाइल संपर्क की सुविधा प्रदान की

श्रीनगर : गलवान और सियाचिन ग्लेशियर सहित दुनिया के कुछ सबसे दुर्गम इलाकों में तैनात सैनिक अब अपने प्रियजनों के साथ संपर्क में बने रह सकते हैं, क्योंकि सेना ने लद्दाख क्षेत्र में विश्वसनीय उच्च गति युक्त मोबाइल संपर्क की सुविधा प्रदान की है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सेना के अधिकारियों ने बताया कि डिजिटल विभाजन को पाटने और दूरदराज के समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम उठाते हुए, भारतीय सेना ने पूर्वी लद्दाख, पश्चिमी लद्दाख और सियाचिन ग्लेशियर के अग्रिम स्थानों सहित लद्दाख के दूरद-राज और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अभूतपूर्व मोबाइल संपर्क की सुविधा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि पहली बार दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ), गलवान, डेमचोक, चुमार, बटालिक, द्रास और सियाचिन ग्लेशियर जैसे दुनिया के कुछ सबसे दुर्गम इलाकों में तैनात सैनिकों को अब विश्वसनीय 4जी और 5जी मोबाइल सेवा मिल पाएगी। अधिकारियों ने बताया कि यह पहल 18,000 फुट से अधिक ऊंचाई पर अलग-थलग सर्दियों में तैनात सैनिकों के लिए मनोबल बढ़ाने वाली साबित हुई है, जिससे उन्हें अपने परिवारों और प्रियजनों से जुड़े रहने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि यह अहम प्रयास संपूर्ण सरकारी ढांचे के तहत एक सहयोगी दृष्टिकोण के माध्यम से संभव हुआ है, जिसमें भारतीय सेना ने अपने मजबूत ऑप्टिकल फाइबर केबल बुनियादी ढांचे का लाभ उठाते हुए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के साथ साझेदारी की है।

जेईई-मेन: 100 पर्सेंटाइल पाने वाले 24 छात्रों में 11 ने कोटा में की है तैयारी

कोटा (राजस्थान) : राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा शनिवार को घोषित इंजीनियरिंग की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई-मेन) के परिणाम में राजस्थान के कोटा शहर में रहकर तैयारी करने वाले कई छात्रों ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। कोटा में रहकर तैयारी करने वाले छात्र ओम प्रकाश बेहरा ने पूरे देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। इसके अलावा शहर में तैयारी करने वाले 34 छात्र शीर्ष 100 में शामिल हैं। जेईई-मेन के परिणाम में सौ पर्सेंटाइल अंक लाने वाले 24 छात्रों में से 11 छात्रों ने कोटा के कोचिंग सेंटर में तैयारी की है। देवदत्त एक अन्य छात्र है जिसने बेहेरा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष रैंक हासिल की है। जेईई-मेन का परिणाम घोषित होने के साथ ही यहां जश्न मनाया गया।बड़ी संख्या में छात्रों के साथ-साथ कोचिंग संस्थानों के निदेशकों और संकाय के सदस्यों ने भी ढोल-नगाड़ों के साथ खुशी मनाई। इस दौरान कुछ टॉपर्स और उनके माता-पिता भी उपस्थित थे। एक नामी कोचिंग संस्थान के कुल 31 छात्र और एक अन्य कोचिंग सेंटर के तीन छात्रों ने शीर्ष 100 में अपना स्थाना बनाया है। ओडिशा के मूल निवासी बेहेरा ने 300 में से 300 अंक प्राप्त किए और अखिल भारतीय रैंकिंग में पहला स्थान प्राप्त किया है। बेहेरा ने अपने माता-पिता और कोचिंग संस्थान के संकाय के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कक्षा में अध्ययन करने के दौरान संदेह दूर करने और यह तय करने में मदद मिलती है कि क्या पढ़ना है, जबकि परीक्षा में सफल होने के लिए खुद से पढ़ाई करना आवश्यक है।

महाराष्ट्र में हिंदी को अनिवार्य नहीं बनाने देंगे: उद्धव

मुंबई : शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र में हिंदी को अनिवार्य नहीं बनाने देगी। ठाकरे का यह बयान राज्य सरकार द्वारा कक्षा एक से पांचवीं तक के छात्रों के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के तौर पर अनिवार्य करने के फैसले के बाद आया है। शिवसेना (उबाठा) की श्रमिक शाखा भारतीय कामगार सेना के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी को हिंदी भाषा से कोई परहेज नहीं है, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि इसे क्यों थोपा जा रहा है? ठाकरे ने दावा किया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मिशन लोगों को एकजुट नहीं होने देना और उन्हें लगातार दबाव में रखना है ताकि वे इन चिंताओं में उलझे रहें। उन्होंने कहा, ''हम महाराष्ट्र में हिंदी को अनिवार्य नहीं बनने देंगे।'' ठाकरे की यह टिप्पणी महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य भर के मराठी और अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने के निर्णय पर विपक्ष के विरोध के बीच आयी है, जो दो भाषा अध्ययन की प्रथा से हटकर है। उन्होंने कहा, ''आप हमसे स्नेह से कहेंगे तो हम सब कुछ करेंगे, लेकिन अगर आप कुछ थोपेंगे तो हम उसका विरोध करेंगे। हिंदी (सीखने) के लिए यह दबाव क्यों?'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने ही राज्य में मराठी सीखना अनिवार्य करने का फैसला किया था।

हिमंत ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की, भूपेन हजारिका जन्म शताब्दी समारोह के लिए आमंत्रित किया

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें डॉ. भूपेन हजारिका के सितंबर में शुरू होने वाले जन्म शताब्दी समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। हजारिका का जन्म आठ सितंबर 1926 को हुआ था। असम के मंत्रिमंडल ने हाल ही में संगीत सम्राट हजारिका की स्मृति में साल भर समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज नयी दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैंने भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में एक साल तक चलने वाले समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि के रूप में उन्हें असम आमंत्रित किया।'' उन्होंने बताया कि हजारिका की जन्म शताब्दी वर्ष में पूरे भारत में कार्यक्रम के आयोजन और स्मारक सिक्का जारी करने आदि की योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैंने असम जैव-इथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन करने का भी उनसे (प्रधानमंत्री मोदी) अनुरोध किया, जिसकी उत्पादन क्षमता 49 केटीपीए इथेनॉल है तथा इसमें फीडस्टॉक के रूप में 300 केटीपीए बांस का उपयोग किया जाएगा।''

राज्य में न बिकने वाले अखबारों को करोड़ों के विज्ञापन देना जनता के पैसे की बर्बादी : नड्डा

शिमला : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश में न छपने वाले नेशनल हेराल्ड जैसे अखबारों को करोड़ों रुपये के विज्ञापन देना जनता के पैसों की बर्बादी हैं। नड्डा शनिवार को हिमाचल प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर कांगड़ा हवाई अड्डे पर पहुंचे, जहां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। कांगड़ा पहुंचने के बाद भाजपा अध्यक्ष सड़क मार्ग से चंबा के लिए रवाना हुए, जहां उनका एक जनसभा को संबोधित करने और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा करने का कार्यक्रम है।

स्पोर्ट्स

गुजरात टाइटंस ने आईपीएल में हासिल किया अपना सबसे बड़ा लक्ष्य

दिल्ली को हराकर शीर्ष पर पहुंची टीम

अहमदाबाद : अहमदाबाद में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ गुजरात टाइटंस 204 का लक्ष्य हासिल करने में सफल रही जो उनका सबसे बड़ा हासिल किया गया लक्ष्य है। इससे पहले उन्होंने साल 2023 में बेंगलुरु के मैदान पर आरसीबी के खिलाफ 198 रन का लक्ष्य हासिल किया था। खास बात यह है कि ऐसे टॉप 5 रिकॉर्ड में 4 बार राहुल तेवतिया नाबाद पवेलियन लौटे थे। गुजरात का दिल्ली के खिलाफ भी यह सबसे बड़ा रन चेज था। मैच जीतने के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिलने कहा कि शुभमन गिल: एक समय ऐसा लग रहा था कि कुल स्कोर 220-230 होगा। जिस तरह से हमने वापसी की, उसका श्रेय गेंदबाजों को जाता है। शुभमन ने कहा कि पहले गेम में भी 245 के आसपास के लक्ष्य का पीछा करते हुए, हम खेल में सही जा रहे थे लेकिन आखिर में सिर्फ़ 10 रन से हार गए। हमारी टीम लक्ष्य का अच्छे से पीछा कर रही है। हम अपना लक्ष्य बचा भी रहे हैं। वहीं, रन आऊट होने पर शुभमन ने कहा कि यह निराशाजनक था। लेकिन हमारे पास यहां बहुत सारे खेल हैं और उम्मीद है कि मुझे अपना मौका मिलेगा। बटलर और रदरफोर्ड ने जिस तरह से स्ट्राइक रोटेट की और उनके हिट जबरदस्त थे, वह शानदार था। यह सिर्फ़ क्रूर हिटिंग नहीं थी, यह बहुत ही सोची-समझी बल्लेबाजी थी, इसे देखना एक शानदार अनुभव था। यह जीत पाकर बहुत खुश हूं। गुजरात टाइटंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। दिल्ली ने 8 विकेट के नुकसान पर 20 ओवर में 203 रन बनाए। इस दौरान आशुतोष शर्मा ने 19 गेंदों पर 37 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी गुजरात की ओर से जोस बटलर ने 54 गेंदों पर 97 तो रुदरफोर्ड ने 34 गेंदों पर 43 रन बनाकर जीत की राह खोल दी। आखिरी ओवरों में बटलर के पास शतक बनाने का मौका था लेकिन राहुल तेवतिया ने एक छक्का और एक चौका मारकर मैच खत्म कर दिया। उन्होंने बटलर को स्ट्राइक ही नहीं दी। अगर बटलर शतक बनाते तो उनके आईपीएल में आठ शतक हो जाते और वह विराट कोहली की बराबरी पर आ जाते।

भारतीय टीमों ने ब्रिज विश्व चैंपियनशिप का टिकट कटाया

नयी दिल्ली : भारत ने दुबई में एशिया एवं पश्चिम एशिया ब्रिज महासंघ के टूर्नामेंट में तीन स्वर्ण पदक और एक रजत पदक हासिल किया तथा पदक जीतने वाली टीमों ने अगली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफिकेशन प्राप्त कर ली। विश्व ब्रिज महासंघ के तत्व-ावधान में 10 से 18 अप्रैल के बीच आयोजित टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष, महिला और सीनियर टीमों ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि मिश्रित टीम ने रजत पदक जीता। चारों भारतीय टीमों ने 20 से 31 अगस्त तक डेनमार्क के हर्निंग में होने वाली 47वीं विश्व ब्रिज चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। चैंपियनशिप में हिस्सा लेने वाली 35 देशों की 66 टीमों में भारत भी शामिल होगा। खेल मंत्रालय 2017 से ही भारतीय ब्रिज महासंघ को सहायता दे रहा है। प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के लिए मंत्रालय के वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) में प्रशिक्षण शिविरों, विदेशी प्रतियोगिता, कोच के खर्च और उपकरणों के अलावा अन्य खर्च शामिल हैं।

पाकिस्तान की टीम आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारत नहीं जाएगी

लाहौर : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी महिला टीम इस साल के आखिर में होने वाले आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारत नहीं जाएगी और इस साल की शुरुआत में स्वीकार किए गए हाइब्रिड मॉडल का पालन करते हुए अपने मैच किसी तटस्थ स्थल पर खेलेगी। हाल ही में जब पाकिस्तान ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की थी तो भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव के कारण भारतीय टीम को सीमा पार भेजने से इनकार कर दिया था और उनके मैच दुबई में खेले गए थे। हाइब्रिड मॉडल पर सहमति बनी थी जिसके तहत भारत और पाकिस्तान के आईसीसी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने की स्थिति में दोनों को अपने मैच तटस्थ स्थल पर खेलने की अनुमति होगी। नकवी ने कहा, ''जैसे भारत चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान में नहीं खेला था और उसे तटस्थ स्थल पर खेलने की अनुमति दी गई थी, वैसे ही जो भी स्थल तय होगा हम वहां खेलेंगे। जब कोई समझौता होता है तो उसका पालन करना होता है।''

भारतीय टीम के सहायक कोच पद से हटे नायर केकेआर से जुड़े

कोलकाता : भारतीय टीम के सहायक कोच पद से हाल ही में हटाये गये अभिषेक नायर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सहयोगी स्टाफ में शामिल हो गये। इस आईपीएल फ्रेंचाइजी ने शनिवार को इसकी घोषणा की, लेकिन उनकी भूमिका और पद की जानकारी साझा नहीं की है। केकेआर ने 'एक्स' पर लिखा, '' अभिषेक नायर, घर वापसी पर आपका स्वागत है।'' नायर 2024 में जब टीम ने अपने आईपीएल खिताब के 10 साल के सूखे को खत्म किया था तब सहायक कोच और मेंटोर (मार्गदर्शक) थे। उन्होंने केकेआर अकादमी में खिलाड़ी विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में खेलने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बने

जयपुर : आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प से भरे 14 वर्षीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उन्होंने यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स की ओर से पदार्पण करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। सिर्फ 14 साल और 23 दिन के सूर्यवंशी उस समय दर्शकों के चहेते बन गए जब उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ राजस्थान रॉयल्स की पारी की शुरुआत की। दृढ़ संकल्प से भरे बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने सवाई मानसिंह स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया जब उन्होंने शारदुल ठाकुर पर अपनी पहली गेंद पर जोरदार छक्का जड़ा। कैमरा उस समय रॉयल्स के डगआउट की ओर गया जहां चोटिल कप्तान संजू सैमसन के चेहरे पर मुस्कान थी। सूर्यवंशी का जन्म 27 मार्च 2011 को हुआ। इसी साल भारत ने महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में क्रिकेट विश्व कप जीता था। उन्होंने 2024-25 सत्र में बिहार के लिए सिर्फ पांच प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं।

आवेश की घातक गेंदबाजी से पलटा पासा, जीत की पटरी पर लौटी लखनऊ

लखनऊ सुपर जायंट्स को राजस्थान रॉयल्स पर जीत के लिए आखिरी ओवर में सिर्फ 9 रन चाहिए थे। ऐसे में आवेश खान आए और उन्होंने अपनी टीम को दो रन से बड़ी जीत दिला दी। अवेश ने आखिरी ओवर में हेटमायर की बड़ी विकेट भी निकाली जिससे लखनऊ की जीत तय हो गई। इससे पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी थी। ऐडन मारक्रम ने 45 गेंदों पर 66 तो आयूष बदोनी ने 50 रन बनाए। अंत में अब्दुल समद ने 30 रन बनाकर स्कोर 180 तक पहुंचा दिया। जवाब में खेलने उतरी राजस्थान को यशस्वी जायसवाल ने 52 गेंदों पर 74, वैभव ने 34 तो कप्तान रियान पराग ने 39 रन बनाकर मजबूती दी। आखिरी ओवर में हेटमायर डटे हुए थे। लेकिन अवेश ने उन्हें आऊट कर मैच लखनऊ के पाले में मोड़ दिया। जीत के बाद आवेश भावुक भी होते दिखे। यह लखनऊ की सीजन में पांचवीं जीत रही।राजस्थान रॉयल्स के लिए संजू सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी मैच खेले। उन्होंने टीम को अच्छी शुरूआत दी लेकिन टीम जीत नहीं पाई। राजस्थान अब सीजन में 8 मैचों में 6 मैच गंवा चुकी है। राजस्थान ने सीजन की शुरूआत हैदराबाद, कोलकाता के खिलाफ हार से की थी। इसके बाद उन्होंने चेन्नई और पंजाब पर जीत दर्ज की। लेकिन इसके बाद उन्होंने गुजरात, आरसीबी, दिल्ली और अब लखनऊ से मैच गंवा दिया है। वहीं, अब लखनऊ की बात करें तो यह उनकी 8 मैचों में पांचवीं जीत है। वह अंक तालिका में चौथे स्थान पर आ गई है।

खराब लय में चल रही चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जीत की हैट्रिक लगाने की तैयारी में मुंबई इंडियंस

मुंबई : चेन्नई सुपर किंग्स की खराब फॉर्म इंडियन प्रीमियर लीग के 'क्लासिको (सबसे ज्यादा प्रतिद्वंद्विता वाला मैच)' की चमक को कम कर सकती है, लेकिन मुंबई इंडियंस के लिए रविवार को यहां अपनी जीत की लय बरकरार रखने के लिए रणनीति बदलने की चुनौती होगी। मुंबई ने शुरुआती मैचों की निराशा को पीछे छोड़ते हुए अपने पिछले दो मैचों में दिल्ली कैपिटल्स और सनरा-इजर्स हैदराबाद को मात देकर अच्छी वापसी की है। हार्दिक पंड्या की अगुवाई वाली टीम तालिका में सातवें पायदान पर है और वह मौजूदा सत्र में जीत की हैट्रिक लगाने के साथ सत्र के अपने पहले मैच में इस टीम से मिली हार का बदला चुकता करना चाहेगी। मुंबई इंडियंस ने अपने पिछले मैच में शानदार गेंदबाजी से सनराइजर्स हैदराबाद की आक्रामक बल्लेबाजी को बड़ा स्कोर खड़ा करने का मौका नहीं दिया।

rudraksha COMMUNICATION

TICKETS LIVE ON bookmyshow

First Time in KOLKATA

Premium Rajnigandha®

PRESENTS

THE SULTAN OF MUSIC

ADNAN SAMI

Live in Concert

27 APRIL

7:00PM ONWARDS

NETAJI INDOOR STADIUM KOLKATA

URJA. Uniform Rights & Justice Assured | ISHQ 104.8 FM Do the ishq baby | Our Children Foundation | PRIDE PLAZA HOTEL Kolkata | NIEM SINCE 2000 | CHINA WHITE'S | drunsign | गोताव्य GURU | HIFA

FOR MORE INFORMATION CONTACT: +91 9818823231, 9355334828

वर्ष 10, पूर्णांक 4212 अंक 022, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in